हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 222 बेमेतरा, सोमवार 06 अप्रैल 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी, पीर की गली में वाहनों की आवाजाही बंद

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में भारी बारिश और बर्फबारी के कारण तापमान में तेजी से गिरावट आई है। इसके साथ ही सड़कों पर बर्फ जमा हो गई है और सारे रास्ते फिसलन भरे हो गए हैं। ऐसे में प्रशासन की तरफ से मौसम को लेकर सलाह जारी की गई है। इसमें कहा गया है कि पहाड़ों पर ताजा बर्फ बारी और मैदानी इलाके में लगातार तेज बारिश हो रही है। इस कारण न सिर्फ तापमान में भारी गिरावट दर्ज हुई है, बल्कि पहाड़ों पर हुई बर्फ बारी से पीर की गली में सड़क फिसलन भरी हो गई है। ऐसे में एहतियात के तौर पर प्रशासन ने अस्थायी रूप से वाहनों के लिए मार्ग बंद कर दिया है। अधिकारियों के मुताबिक, हालात सामान्य होने और बर्फ हटाने का काम पूरा होने के बाद ही यातायात बहाल किया जाएगा। फिलहाल लोगों को यात्रा करने से बचने की सलाह दी गई है।अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई, जबकि मैदानी इलाकों में बारिश हुई। उन्होंने बताया कि कश्मीर के ऊंचाई वाले कुछ इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई। इसमें साउथ कश्मीर के शोपियां में मुगल रोड और नॉर्थ कश्मीर के कुपवाड़ा में साधना टॉप शामिल हैं।

लिव-इन रिलेशन में रह रही युवती की गला घोंटकर हत्या

चंद्रपुर। महाराष्ट्र के चंद्रपूर के दुर्गापुर थाना क्षेत्र के तुकूम परिसर में लिव-इन रिलेशन में रह रही 29 वर्षीय युवती की बेरहमी से गला घोंटकर हत्या किए जाने का मामला सामने आया है। शुरुआत में इस हत्या को आत्महत्या बताकर मामला दबाने की कोशिश की गई, लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने घटना का काला सच उजागर कर दिया। मृतका की पहचान 29 वर्षीय प्रियंका शंकर वांढरे के रूप में हुई जोकि वानखेडे वाड़ी तुकूम की रहने वाली थी। पुलिस के अनुसार, 14 मार्च की रात करीब 8:15 बजे यह वारदात हुई थी लेकिन इसका खुलासा 3 अप्रैल को हुआ। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ हुआ कि प्रियंका की हत्या रस्सी या तार से गला कसकर और हाथ से दबाकर की गई है। जांच में सामने आया कि आरोपी ने मोबाइल चार्जर के केबल का इस्तेमाल कर इस वारदात को अंजाम दिया।

कूचबिहार में टीएमसी पर बरसे पीएम मोदी, बोले-पापों का होगा हिसाब

बंगाल चुनाव-लूटा हुआ पैसा जनता को लौटाना ही पड़ेगा...

कोलकाता/ एजेंसी

पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बड़ी चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि कूचबिहार में उमड़ा यह जनसैलाब नए बंगाल और भाजपा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रतीक है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी पर कड़ा प्रहार किया और महिलाओं के लिए अपनी सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने कहा, वह पहले भी इस मैदान पर आए हैं, लेकिन आज की भीड़ ने पुराने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यह उत्साह एक उज्ज्वल भविष्य और नए बंगाल के निर्माण का संकेत है। प्रधानमंत्री ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि मतदान के दिन टीएमसी के गुंडे चाहे जितना डराने की कोशिश करें, आपको कानून पर भरोसा रखना चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि इस चुनाव में बंगाल से डर का माहौल खत्म हो जाएगा और भाजपा की बड़ी जीत से लोगों में आत्मविश्वास जागेगा। पीएम मोदी ने आगे कहा, 4 मई के बाद टीएमसी के पापों का पूरा हिसाब होगा। कानून अपना काम करेगा और कोई भी गुंडा कितना भी बड़ा क्यों न हो, उसे न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार ने अब तक 3 करोड़ बहनों को 'लखपति दीदी' बनाया है। अब देश के बड़े फैसलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना बहुत जरूरी है। इसी सोच के साथ सरकार ने लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण

का कानून बनाया है। उन्होंने जानकारी दी कि 2029 के लोकसभा चुनाव से ही बहनों को इसका लाभ मिलना शुरू हो जाए, इसके लिए सरकार ने 16, 17 और 18 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 साल से अटका हुआ था, जिसे अब और टालना सही नहीं है। कूचबिहार से प्रधानमंत्री ने देश के सभी राज्यों को एक और बड़ा भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण की दिशा में अच्छा काम किया है, उन्हें सीटों के मामले में कोई नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। सभी राज्यों की भागीदारी और उनके अधिकार पूरी तरह सुरक्षित रहेंगे। सरकार चाहती है कि संसद में इस बात पर पक्की मुहर लगे कि महिलाओं के लिए अतिरिक्त सीटें बढ़ाई जाएं, ताकि राज्यों को इसका बड़ा फायदा मिल सके। प्रधानमंत्री ने मालदा की घटना का जिक्र करते हुए बताया कि वहां जिस तरह न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाया गया, उससे पूरा देश हैरान है। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस राज्य में जज और कानूनी प्रक्रिया ही सुरक्षित नहीं है, वहां आम जनता की सुरक्षा की उम्मीद कैसे की जा सकती है? मोदी ने इसे सरकार के संरक्षण में चलने वाला जंगलराज करार दिया।

मोदी ने पक्का घर और जमीन के मालिकाना हक का भरोसा

कूचबिहार में एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इस बार बंगाल में एक ओर तृणमूल कांग्रेस का भय है और इसका मुकाबला करने के लिए आपके पास भाजपा का भरोसा है। एक ओर टीएमसी के 'कट मनी' और 'करप्शन' का भय है। दूसरी ओर विकास को तेज रफ्तार देने वाली भाजपा का भरोसा है। एक ओर घुसपैठ कराकर, विदेशियों को यहां बसाने का भय है। दूसरी ओर घुसपैठ रोक कर सारे घुसपैठियों को बंगाल से बाहर करने का भाजपा का भरोसा है। एक ओर बदलती जनसांख्यिकी से अपनी ही जमीन पर आजादी छिनने का भय है। दूसरी ओर अपनी माटी पर गर्व के साथ सिर उठाकर जीने का, अटल भरोसा देने वाली भाजपा है।

असम की सरकार दिल्ली से चल रही

असम का मुख्यमंत्री भारत का सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री-राहुल.....

असम/ एजेंसी

असम विधानसभा चुनाव 2026 में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रविवार को असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा पर तीखा हमला बोला। विश्वनाथ जिले में आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने मुख्यमंत्री को भारत का 'सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री' करार देते हुए आरोप लगाया कि सरमा राज्य के संसाधनों का दुरुपयोग कर अपने करीबियों को फायदा पहुंचा रहे हैं। राहुल गांधीने कहा कि मुख्यमंत्री की बयानबाजी उनकी हताशा और भविष्य की चिंता

का संकेत है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर नफरत फैलाने और असम की संस्कृति एवं भाईचारे को नुकसान पहुँचाने का आरोप भी लगाया। राहुल ने अपने 'बब्बर शेर' मुहावरे का इस्तेमाल करते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता गौरव गोगई जैसे कार्यकर्ता उन्हें जेल भेजने के लिए तैयार हैं और जब कांग्रेस की सरकार आएगी, तो उन्हें जनता और नेताओं से माफी मांगनी होगी। असम के ष्टरू हिमंता बिस्वा सरमा के करप्शन की पूरी जानकारी नरेंद्र मोदी और अमित शाह के पास है। असम को दिल्ली से चलाया जा रहा है। जो नरेंद्र मोदी और अमित शाह कहते हैं- हिमंता वही करते हैं। हिमंता बिस्वा सरमा ने अपने करप्शन में पूरे परिवार को भी शामिल कर लिया है, जिससे अब वो भी फंसेंगे। कानूनी कार्रवाई से कोई नहीं बचने वाला।

अंतरराज्यीय तेंदुआ खाल तस्करी गिरोह का पर्दाफाश, 9 आरोपी गिरफ्तार

बलरामपुर। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में वन विभाग और विशेष टीमों की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराज्यीय वन्यजीव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़ किया गया है। टीम ने 2 तेंदुओं की खाल के साथ 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई बलरामपुर वन मंडल क्षेत्र के बसंतपुर में की गई। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर भोपाल, रायपुर उड़न दस्ता और वन विभाग की संयुक्त टीम ने ग्राम जमई में दबिश देकर आरोपियों को पकड़ने में सफलता हासिल की। बताया जा रहा है कि आरोपी मोटरसाइकिल के जरिए तेंदुए की खाल की तस्करी कर रहे थे।

यह सरकार बदलने का नहीं

केरल में एनडीए सरकार बनाने की बारी- शाह....

नई दिल्ली/ एजेंसी

केरल के एर्नाकुलम में रविवार को गृह मंत्री अमित शाह ने एक जनसभा का संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 9 अप्रैल को जो चुनाव होने वाला किसी की सरकार बदलने का चुनाव नहीं है। वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की सरकार बदलकर एनडीए की सरकार लाने का चुनाव नहीं है। यह चुनाव केरल के भविष्य को सुनिश्चित और सुनहरा करने का है। केरल की जनता यूडीएफ को हटाकर एलडीएफ को सत्ता में

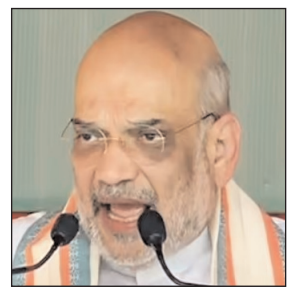

लाई फिर एलडीएफ को सत्ता से हटाकर यूडीएफ को लाई। दोनों पार्टी की सरकारों ने भ्रष्टाचार किया। गृह मंत्री ने आगे कहा कि केरल को आगे बढ़ाना है तो नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनानी है। भारत में सबसे पहले केरलम के लोग सबसे ज्यादा शिक्षित हुए, यहां के युवा बुद्धिमान हैं। लेकिन उनके पास नौकरी नहीं है। नौकरी करने के लिए गल्फ देशों और दुनिया भर के देशों में जाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हम ऐसे केरलम की रचना करना चाहते हैं कि यहां के युवाओं को केरलम में ही शत-प्रतिशत नौकरी मिले। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पूरी दुनिया में परिवर्तन आ रहा है। एलडीएफ कम्युनिस्ट पार्टी पूरी दुनिया में समाप्त हो गई है और यूडीएफ, जिसका नेतृत्व कांग्रेस कर रही है।

सीडीआर लीक की होगी जांच

स्वयंभू बाबा की संपत्ति की पड़ताल करेगा ईडी

नासिक। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि अशोक खरात के मामले में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) होने की जांच की जाएगी। वहीं, गिरफ्तार स्वयंभू बाबा की संपत्तियों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा, किसी को भी इस तरह कॉल रिकॉर्ड हासिल करने का अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का यह बयान तब आया है, जब सामाजिक कार्यकर्ता अंजली दमानिया ने शुक्रवार को खुलासा किया कि अशोक खरात और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच कथित तौर पर फोन पर बातचीत हुई थी।

उन्होंने यह भी दावा किया कि उन्हें व्हाट्सऐप पर किसी अनजान नंबर से खरात का सीडीआर मिला। फडणवीस ने कहा, इस लीक की पूरी जांच होगी। दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया, सीडीआर तक केवल अधिकृत एजेंसियां ही पहुंच हासिल कर सकती हैं।

हाथी के हमले में 22 वर्षीय युवती की मौत, जंगल में महुआ बीनने गई थी

बलरामपुर। जिले के रामानुजगंज वन परिक्षेत्र से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां हाथी के हमले में 22 वर्षीय युवती की मौत हो गई। यह हादसा छतवा-चिनिया के जंगल क्षेत्र में हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवती अपने रिश्तेदारों के साथ महुआ बीनने जंगल गई हुई थी। इसी दौरान अचानक हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही जान चली गई। बताया जा रहा है कि मृतका झारखंड की रहने वाली थी और अपने रिश्तेदारों के यहां घूमने आई थी। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई है। फिलहाल पूरे मामले की जांच की जा रही है।

चुनौतियों के बीच भारतीय जहाजों की मजबूत मौजूदगी

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से निकला भारत का 9वां जहाज ग्रीन आशा एलपीजी लेकर जल्द पहुंचेगा भारत.....

नई दिल्ली। एलपीजी के मोर्चे पर देश के लिए खुशखबरी है। भारतीय ध्वज वाले जहाज ग्रीन आशा ने ईरान के पास मौजूद संकरे समुद्री रास्ते स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव शुरू होने के बाद, यह स्ट्रेट ऑफहोर्मुज से निकलने वाला भारत का नौवां जहाज है। ईरान ने अमेरिका, इजरायल से युद्ध शुरू होने के बाद स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को बंद कर दिया है। दुनिया के एनर्जी सेक्टर के लिए यह रास्ता काफी अहम है क्योंकि विश्व में होने वाले पेट्रोलियम के कुल व्यापार में से 20 प्रतिशत हिस्सा इसी क्षेत्र से

होकर जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ग्रीन आशा एक एलपीजी टैंकर है और बढ़ते जोखिमों के बावजूद इसका सफलतापूर्वक स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पार करना, इस क्षेत्र पर भारत की निरंतर निर्भरता को दर्शाता है। इस तनाव ने वैश्विक ईंधन आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है, जिससे दुनिया के ऊर्जा बाजार कठिन चुनौती से गुजर रहे हैं। समुद्री आंकड़ों से पता चलता है कि इस मार्ग का उपयोग करने वाले लगभग 60 प्रतिशत मालवाहक जहाज या तो ईरान से आ रहे हैं या ईरान के लिए ही जा रहे हैं। इन चुनौतियों के बावजूद, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारतीय जहाजों की गतिविधि अपेक्षाकृत मजबूत बनी हुई है। ग्रीन आशा की यात्रा से पहले, कम से कम आठ भारतीय जहाज इस मार्ग से गुजर चुके थे। मार्च के अंत में पाइन गैस और जग वसंत सहित चार भारतीय ध्वज वाले एलपीजी टैंकरों ने तीन दिनों की अवधि में 92,600 टन से ज्यादा एलपीजी की आपूर्ति की। इससे पहले, एमटी शिवालिक और एमटी नंदा देवी ने मार्च के मध्य में गुजरात के मुंद्रा और कांडला बंदरगाहों तक लगभग 92,700 टन एलपीजी पहुंचाई थी।

ईरान का बड़ा दावा

अमेरिका का सी-130 सैन्य विमान और 2 ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर मार गिराए,पांच लोगों की मौत

तेहरान/ एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध लगातार तेज होता दिख रहा है। ईरान की ओर से लगातार अमेरिका विमानों को मार गिराने का दावा किया जा रहा है। रविवार को ईरान की ओर से अमेरिकी विमानों को तबाह करने के सबूत जारी किए हैं। ईरानी न्यूज एजेंसी ने अमेरिका विमानों के मलवे की तस्वीरें और वीडियो जारी किए हैं। ईरान का दावा है कि उसने इस्फहान इलाके में अमेरिकी सैन्य मिशन के दौरान दो ब्लैकहॉक हेलिकॉप्टर और दो सी-130 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट को मार गिराया। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की ओर से तस्वीरें और वीडियो जारी किए गए हैं। आईआरजीसी के मुताबिक, यह कार्रवाई इस्फहान के दक्षिणी इलाके में की गई। आईआरजीसी ने दावा किया है कि अमेरिकी सेना डाउन हुए पायलट को बचाने के लिए ऑपरेशन चला रही थी, लेकिन इस दौरान उसके एयरक्राफ्ट को निशाना बनाया गया। इससे पहले ईरानी मीडिया एक विमान गिराने की बात कह चुका था, लेकिन अब आईआरजीसी ने चार एयरक्राफ्ट तबाह करने का दावा किया है। इसके अलावा ईरान के संसद स्पीकर मोहम्मद बाकर

गालिबाफ ने एक्स पर अमेरिकी विमान के कथित मलबे की तस्वीर शेयर की है। इन तस्वीरों में भी विमानों मलवा बिखरा हुआ दिख रहा है। इससे पहले ईरानी मीडिया ने दावा किया था कि लापता अमेरिकी पायलट की तलाश में भेजे गए मिशन के एक विमान को निशाना बनाया गया। ईरान इससे पहले भी अमेरिकी एफ-15 और ए-10 जैसे विमानों को गिराने का दावा कर चुका है। फिलहाल, अमेरिकी पक्ष ने इस नए दावे या तस्वीर पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। ईरान के दावों के इतर द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान से एक बचाए गए अमेरिकी एयरमैन और कमांडो को निकालने वाले दो ट्रांसपोर्ट विमान वहीं फंस गए थे। इसके बाद अमेरिका को तीन नए विमान भेजने पड़े।

भेदभाव पर जस्टिस नागरत्ना सख्त

पार्टी देखकर नहीं....संविधान देखकर चलेगा देश-नागरत्ना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बी.वी. नागरत्ना ने शनिवार को केंद्र-राज्य संबंधों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी करते हुए कहा कि संघीय ढांचा संविधान पर आधारित होता है, न कि इस आधार पर कि केंद्र और राज्यों में किस राजनीतिक दल की सरकार है। पटना में आयोजित प्रथम डॉ. राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान में उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्र को राज्यों को 'अधीनस्थ' नहीं, बल्कि 'समकक्ष इकाइयों' के रूप में देखना चाहिए। चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में 'कॉन्स्टिट्यूशनलिज्म बियॉन्ड राइट्स: व्हाई स्ट्रक्चर मैटर्स' विषय पर बोलते हुए जस्टिस

नागरत्ना ने कहा कि राज्य सरकारें संविधान में निर्धारित सीमाओं के भीतर स्वतंत्र हैं और वे केंद्र के अधीन नहीं हैं। इसलिए सत्ता में मौजूद राजनीतिक दलों के आधार पर उनके साथ अलग व्यवहार नहीं किया जा सकता। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि राज्यों को अधीनस्थ नहीं, बल्कि समकक्ष इकाइयों के रूप में देखा जाना चाहिए ।

100 दिवसीय टी बी मुक्त भारत अभियान: शहरी क्षेत्र में टी बी उन्मूलन हेतु निक्षय निरामय फेस 0.2 अंतर्गत शिविर का हुआ सफल आयोजन

अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से 149 उच्चोखिम लोगों का किया गया टी बी स्क्रीनिंग

बेमेतरा/मूक पत्रिका

स्वास्थ्य विभाग जिला बेमेतरा में क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम तहत टीबी मुक्त बेमेतरा जिला बनाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है जिसके तहत अत्याधुनिक एक्स-रे मशीन से उच्चोखिम लोगों का विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित कर टी बी स्क्रीनिंग किया जा रहा है साथ में टी बी मुक्त भारत अभियान की जानकारी, टी बी के लक्षण,उपचार,बचाव की संपूर्ण जानकारी उच्चोखिम लोगों को साझा किया जा रहा है। इसी क्रम में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान तहत 4 अप्रैल को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम जिला बेमेतरा के अंतर्गत कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अमृत लाल रोहलेडर के मार्गदर्शन एवं जिला क्षय अधिकारी डॉ बी एल राज , जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे जिला कार्यक्रम समन्वयक सुश्री संपत्ति बंजारे के नेतृत्व में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन के माध्यम से बेमेतरा के शहरी क्षेत्र में शिविर आयोजित कर कुल जनसंख्या 12103 का टीबी स्क्रीनिंग किया गया जिसमें 254 उच्च जोखिम समूहों का पहचान किया गया इस उच्चजोखिम समूह से 149 लोगों का अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन से जांच किया गया, जिसमें एक टीबी से ग्रसित होने की पुष्टि हुई तथा 6 लोगों का जो संदेहास्पद था उनका स्पूटम अत्याधुनिक ट्रू - नाट मशीन से जांच हेतु सैंपल कलेक्शन कराया गया । इस टी बी मुक्त अभियान शिविर में बेमेतरा शहरी क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग सभी स्टाफ मितानिन , द्वारा पूर्व से ही लोगों को टीबी के अभियान की संपूर्ण जानकारी सर्वे कर दी गई एवं जनजागरूकता अभियान भी चलाया गया । जिला क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के जिले से डीपीसी सुश्री संपत्ति बंजारे एवं श्री गिरधर देवांगन सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर,द्वारा पूरी जिम्मेदारी से टीम गठित कर शिविर का आयोजन किया गया। साथ में जिला चिकित्सालय से रेडियोग्राफर मोहम्मद जावेद मंसूरी द्वारा अत्याधुनिक हैंड हेल्ड पोर्टेबल एक्स-रे मशीन जांच,किया गया शिविर में स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा कार्यो का सफल क्रियान्वयन किया गया ।

चूना फैक्ट्री का विरोध अंतिम सांस तक जारी रहेगी एफआई आर से डराने की कोशिश ना करे प्रशासन - घनश्याम मनहर

सारंगढ /मूक पत्रिका

सारंगढ के बीच बस्ती मे जहां जिला अस्पताल है जहां पिछड़े वर्ग और गरीब तबके के किसान खेती करके अपने परिवारों का लालन-पालन कर रहे हैं इसी संभावित चूना फैक्ट्री एरिया मे शासकिय दफ्तरों के साथ ही सरकारी अफसर कर्मचारियों का निवास भी है ऐसे स्थान मे प्रशासन चूना फैक्ट्री लगाने का परमिशन देकर जनमानस को बीमारी रोग क्यो परोसना चाह रही है यह समझ से परे है यह कहना है सारंगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि घनश्याम मनहर का है उन्होने कहा कि बीते दिवस हम चूना फैक्ट्री के विरोध में शांतिप्रिय धरना प्रदर्शन कर रहे थे इस हमारे कुछ साथी ज्ञापन देने कलेक्टर दफ्तर में जाने की अनुमति देने प्रशासन के अधिकारीयों से निवेदन किये लेकिन अधिकारी गण ध्यान नही दिये तो वहां मौजूद जनता बेरीकेट्स हटाने मजबूर हो गए और इसी का हवाला देकर प्रशासन हमारे उपर एफ आई आर कर रही है।हम गढ़ चौक से जब धरना प्रदर्शन के लिये रैली निकाले वही से हमें एसडीएम तहसीलदार और पुलिस के अधिकारी हमें डरा रहे थे कि यही ज्ञापन दे दो आगे जावोगे तो हम एफ आई आर कर देंगे।

हम एफ आई आर से डरने वाले नही हैं हम सच्चे जन सेवक है हम आखरी सांस तक जनता की भलाई के लिये चूना फैक्ट्री के विरोध में खड़े रहेंगे। कांग्रेस नेता घनश्याम मनहर ने कहा कि सामाजिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो इस चूना फैक्ट्री का प्रस्तावित क्षेत्र में स्थित सभी गांव में अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति पिछड़ा वर्ग के लोग जीवन यापन करते हैं और भौगोलिक दृष्टिकोण से भी देखा जाये तो प्रस्तावित चूना फैक्ट्री किसी भी अंदाज़ में नही खुल सकती और इस क्षेत्र में गरीब कृषकों की हालत को देखते हुये उनके भूमि मकानों को लेकर भी किसानों को अपाहिज बनाकर इस फैक्ट्री को खोलना सरासर अन्याय होगा।घनश्याम मनहर ने बताया कि मैं अन्य राजनैतिक पार्टीयों की रवैय्या को तो नही जान रहा हूं लेकिन हमारे कांग्रेस के नेता प्रस्तावित चूना फैक्ट्री का विरोध जब तक यह निरस्त नही होगी तब तक करते रहेंगे।

घरघोड़ा की बेटी दिव्या पैंकरा बनीं एसआई, प्रथम आगमन पर नगर में जोरदार स्वागत

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

नगर की होनहार बेटी दिव्या पैंकरा के सब इंस्पेक्टर पद पर नव नियुक्ति के बाद प्रथम बार गृह नगर आगमन पर पूरे घरघोड़ा में हर्ष और गौरव का माहौल देखने को मिला। नगरवासी बड़ी संख्या में स्वागत के लिए उमड़ पड़े और जगह-जगह पुष्पमालाओं, मिठाइयों एवं आतिशी उत्साह के साथ भव्य स्वागत किया गया।दिव्या पैंकरा, स्वर्गीय निलाम्बर पैंकरा की सुपुत्री एवं मालती पैंकरा की पुत्री हैं। वे वार्ड क्रमांक 14, नेगीपारा, घरघोड़ा की निवासी हैं। एक साधारण किसान एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से निकलकर उन्होंने यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है, जिससे पूरे नगर सहित क्षेत्र का नाम रोशन हुआ है। गृह वार्ड में घर-घर में उनका अभिनंदन किया गया, वहीं पार्षद तिलेश्वर पैंकरा ऐसे के नेतृत्व में शानदार कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया, जिसमें नगर के गणमान्य नागरिक, युवा, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे। सभी ने दिव्या को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नगरवासियों ने कहा कि दिव्या पैंकरा की यह उपलब्धि मेहनत, लगन और संघर्ष का प्रेरणादायक उदाहरण है, जो क्षेत्र की बेटियों और युवाओं के लिए मिसाल बनेगी। किसान परिवार की बेटी का इस मुकाम तक पहुंचना घरघोड़ा ही नहीं बल्कि पूरे रायगढ़ जिले के लिए गौरव और सम्मान का विषय है।दिव्या पैंकरा की सफलता से नगरवासी स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और हर ओर खुशी का माहौल है। लोगों का कहना है कि उनकी यह उपलब्धि आने वाली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देगी। ÷घरघोड़ा कंवर युवा शक्ति है एक, लक्ष्य और संकल्प अनेक,समाज उत्थान में साथ चलें, मिलकर एक तीर एक कमान समान।÷

'भारतीय संविधान के निर्माता ' बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के जयंती पर समाज में उत्कृष्ट कार्य करने बंधुओं को सम्मान किया जाएगा : उपेन्द्र जगत

बेमेतरा/मूक पत्रिका

उपेन्द्र जगत जी ने कहा डाँ. भीमराव अंबेडकर साहब जी ने भारत देश के हर नागरिको 6 मौलिक अधिकार दिए जो इस प्रकार हैं :-

1.समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18): कानून के समक्ष सब बराबर हैं, धर्म, जाति, लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं होगा।2.स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22): अभिव्यक्ति, भाषण, संघ बनाने और देश में कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता।

3.शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24): मानव तस्करी, जबरन श्रम और बाल श्रम पर रोक।4.धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28): किसी भी धर्म को मानने, आचरण करने और प्रचार करने की स्वतंत्रता । 5.सांस्कृतिक और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30): अल्पसंख्यकों को अपनी संस्कृति और भाषा को संरक्षित करने व शिक्षा संस्थान स्थापित करने का अधिकार।

6.संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32): मौलिक अधिकारों के हनन पर सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय में जाने का अधिकार। इस अवसर छत्तीसगढ घासी / घसिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष सम्मानीय श्री सचिन खरे जी ने बताया है कि बाबा साहब ने एक नारा दिया था ÷ शिक्षित बनो संगठित रहो÷ उस दिशा में समाज को आगे लेकर जाना हैं उन्हें यह भी कहा कि हम सब एक जुट होकर कंधे से कंधा मिलाकर चलने से समाज विकास संभव है, हम सबको आगे बढ़कर एकलक्ष्य और एक दिशा में काम करने की जरूरत है !

उपेन्द्र जगत - (सामाजिक कार्यकर्ता) जी ने बताया है कि हमारे जाति के पूर्वजों की मूल पहचान सन् 1950 आजादी के पहले से ही छत्तीसगढ़ में निवास कर रहे हैं ÷बस्तर रियासतों ÷ और ÷ उड़ीसा रियासतों ÷ के जो भी राजा - महाराजाओं हुआ करते थे उनके यहां घोड़े के अस्त बल एवं घोड़े के देख - रेख के कार्य भी किया करते थे , उसके आलावा कुछ कला - कृति का भी कार्य किया करते थे जैसे कि पीतल एवं काँसे, ज़र्बन अन्य धातु से चाटु , बेला , मोहरी और साथ ही घासी / घसिया समाज ने छत्तीसगढ़ में बस्तर आर्ट को लेकर नई पहचान दी है उसके आलावा मेट्रो सिटी जैसे कि दिल्ली , महाराष्ट्र , कलकत्ता , पंजाब , लोगों और साथ ही विदेशी नागरिको को भी यह आर्ट काफी पसंद आया है समाज देश विदेश में अपनी एक अलग पहचान दी है ! श्री खरे ने बताया है कि ÷समाज के युवा पीढ़ी ÷ ही समाज की तस्वीर बदल सकती है , समाज के कुछ युवा पीढ़ी नई - नई दिशा में कार्य कर रहे हैं प्रदेश अध्यक्ष श्री खरे ने यह बताया है कि हमारे समाज निरन्तर प्रगति कर रहा है समाज में शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी विभागों एवं कला , खेल जगत के क्षेत्र में बड़े पद पर कार्यरत हैं जैसे कि भारती बंधु को पद्म श्री से सम्मानित ' राष्ट्रपति महोदय ' जी के द्वारा सम्मान किया गया, हमारे समाज में डीएसपी, अधिवक्ता, राजस्व अधिकारी, शिक्षक, बाबु , राजनीति क्षेत्र में पार्षद और समाज के अन्य सरकारी विभाग में विभिन्न पदों आसीन है ! समाज में सभी उत्कृष्ट कार्य करने वाले जैसे कि शिक्षा, राजनीति, खेल , कला और अन्य क्षेत्रो में समाज में कार्य करने वाले व्यक्तियों को सम्मान समारोह का कार्यक्रम के कार्य योजना को तैयार किया है ! जिसमें घसिया समाज के प्रदेश महामंत्री श्री सुमित नायक जी, महेंद्र दीप जी , श्याम डोंगरे जी और अन्य वरिष्ठ जन उपस्थित थे !

सरकार पत्थर खदान नीलामी के विरोध को दबाने के बजाय जनता की समस्याओं को सुने : बाघे

सारंगढ़/मूक पत्रिका

पत्थर खदान नीलामी के विरोध में उठ रही जनभावनाओं को दबाने के बजाय सरकार को जनता की वास्तविक समस्याओं और चिंताओं को गंभीरता से सुनना चाहिए। लोकतंत्र में जनता की आवाज सर्वोपरि होती है और उसे दबाने के बजाय समाधान निकालना सरकार की जिम्मेदारी है।सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री गोपाल बाघे ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार आम जनता को परेशान करने वाली नीतियां बना रही है और उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि ग्राम कुटेला, चंदाई, रापागुला, खैराहा, दुर्गापाली, खम्हारडीह, गताडीह, जुनाडीह, पचपेड़ी, भोजपुर और सुलोनी सहित दर्जनों गांवों में प्रस्तावित खदान और चूना फैक्ट्री से पर्यावरण, जल स्रोत, खेती और ग्रामीणों के जीवन पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इन चिंताओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा कि यदि जनता विरोध कर रही है, तो उसके पीछे ठोस कारण हैं। सरकार को चाहिए कि इन कारणों को समझे और उनका उचित समाधान निकाले, न कि आवाज को दबाने का प्रयास करे।महामंत्री बाघे ने कहा कि जनता से बढ़कर कोई नहीं है और सरकार को उद्योगपतियों के बजाय जनहित को प्राथमिकता देनी चाहिए। यदि सरकार जनता की भावनाओं की अनदेखी करेगी, तो जनता उसे सत्ता से बाहर करने का काम करेगी।

सरकारी जमीन पर अवैध फ्लाई ऐश डंपिंग की शिकायत, कार्रवाई की मांग

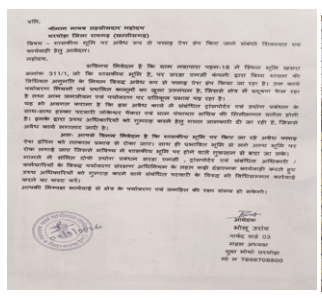

घरघोड़ा/मूक पत्रिका

घरघोड़ा तहसील क्षेत्र में इस समय प्लांट से निकलने वाले राख को फेकने के लिए स्वर्ग बना हुआ है प्राप्त जानकारी अनुसार घरघोड़ा ग्राम नवापारा पहन 18 में शासकीय भूमि पर अवैध रूप से फ्लाई ऐश डंप किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में स्थानीय जनप्रतिनिधि ने नायब तहसीलदार को आवेदन सौंपकर जाँच कर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

आवेदन में बताया गया है कि खसरा क्रमांक 311/1 की शासकीय भूमि पर सरड़ा एनर्जी कंपनी द्वारा बिना अनुमति के फ्लाई ऐश डंपिंग की जा रही है। यह कार्य पर्यावरण नियमों और प्रचलित कानूनों का उल्लंघन है, जिससे क्षेत्र में प्रदूषण बढ़ रहा है और जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इस अवैध कार्य में ट्रांसपोर्टरों और उद्योग प्रबंधन के साथ-साथ कुछ स्थानीय राजस्व कर्मचारियों एवं पंचायत से जुड़े लोगों की मिलीभगत हो सकती है, जिसके चलते गलत जानकारी देकर उच्च अधिकारियों को गुमराह किया जा रहा है और अवैध गतिविधि लगातार जारी है। आवेदक ने प्रशासन से मांग की है कि शासकीय भूमि पर हो रही अवैध डंपिंग को तत्काल प्रभाव से रोका जाए तथा फ्लाई ऐश को हटाकर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। साथ ही दोषियों के खिलाफ पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत कड़ी कार्रवाई करने की भी मांग की गई है। जनप्रतिनिधि ने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो क्षेत्र के पर्यावरण और आम जनता के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। समय रहते कार्यवाई नहीं कि गई तो क्षेत्र हित के लिए आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा

सफलता की कहानी: किसान लेखराम केवट टमाटर की उन्नत खेती से हो रहा मालामाल

महनदी किनारे बसे मिरचिद गांव में 50 एकड़ से ज्यादा में टमाटर की खेती, गांव बना सब्जी उत्पादन का हब

15 साल से टमाटर उगा रहे किसान लेखराम केवट, ढाई एकड़ में खेती कर कमा रहे सालाना लगभग 6 लाख रुपए

लक्ष्मी वैरायटी के टमाटर की बाजार में जबरदस्त मांग, रायगढ़ और शिवरीनारायण मंडी तक हो रही सप्लाई

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ विकासखंड में महानदी तट के किनारे बसे ग्राम मिरचिद के किसान परिवार ने अपनी मेहनत और लगन से खेती को आय का मजबूत साधन बना दिया है। खासकर टमाटर की खेती यहां के किसानों के लिए एक सफल मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। गांव में लगभग 50 एकड़ से अधिक क्षेत्र में टमाटर की खेती की जा रही है, जिससे पूरे क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी गांव के प्रगतिशील किसान लेखराम केवट पिछले करीब 15 वर्षों से लगातार टमाटर की खेती कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव, मेहनत और सही खेती तकनीक के जरिए इस क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। वर्तमान में वे लगभग ढाई एकड़ जमीन में टमाटर की खेती कर रहे हैं और इससे अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। लेखराम केवट बताते हैं कि वे मुख्य रूप से लक्ष्मी वैरायटी के टमाटर की खेती करते हैं। इस किस्म की बाजार में काफी मांग रहती है और इसका उत्पादन भी बेहतर होता है। उनकी फसल न केवल आसपास के गांवों के हाट-बाजार में बिकती है, बल्कि रायगढ़ मंडी और शिवरीनारायण मंडी तक भी भेजी जाती है। उत्पादन की बात करें तो उनके खेत से प्रतिदिन लगभग 100 कैरेट से अधिक टमाटर की खपत होती है। इस खेती से उन्हें हर महीने करीब 50 हजार रुपये से अधिक की आमदनी होती है, जबकि सालाना आय लगभग 6 लाख रुपये तक पहुंच जाती है। सबसे खास बात यह है कि इस पूरी खेती में बाहरी मजदूरों की जरूरत नहीं पड़ती। लेखराम केवट अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर ही पूरी खेती का काम संभालते हैं। इससे न केवल लागत कम होती है, बल्कि परिवार को भी रोजगार मिलता है।

रात में ताला, दर्द में तड़पती महिलाएं—पिरदा स्वास्थ्य केन्द्र की सच्चाईं

प्रशासन की लापरवाही या जानबूझकर अनदेखी वनांचल क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा ठप हजारों लोग परेशान

सरसींवा (सारंगढ़-बिलाईगढ़)/मूक पत्रिका

जिले के वनांचल क्षेत्र ग्राम पिरदा (भटगांव) में स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाल स्थिति ने प्रशासनिक तंत्र की गंभीर लापरवाही को उजागर कर दिया है। हजारों की आबादी वाले इस क्षेत्र में स्थित उप स्वास्थ्य केन्द्र पिरदा केवल नाम मात्र का रह गया है जहां कागजों में सुविधाएं मौजूद हैं लेकिन जमीनी हकीकत में ग्रामीणों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे अधिक परेशानी गर्भवती एवं शिशुवती माताओं को हो रही है, जिन्हें इलाज और प्रसव के लिए नजदीक मे हॉस्पिटल के बाद भी मजबूरन भटगांव या बिलाईगढ़ जैसे दूरस्थ अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। कई बार रात्रि में प्रसव पीड़ा होने पर महिलाओं को जोखिम भरे हालात में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना या जनहानि का कारण बन सकता है।

शासन द्वारा आदेश क्रमांक 2573 दिनांक 30 जून 2025 के तहत महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता कु. इंका साहू का स्थानांतरण उप स्वास्थ्य केन्द्र गोपालपुर से पिरदा किया गया था। इसके बाद संलग्नीकरण मे अस्थाई रूप से गोपालपुर संलग्न कर दिया गया था जिसको लेकर संलग्ननिकारण समाप्त करने का आदेश (क्रमांक क्र/2026/31, दिनांक 12 मार्च 2026) जारी किया गया लेकिन हैरानी की बात यह है कि आज तक संबंधित स्वास्थ्य कार्यकर्ता को पिरदा में कार्यमुक्त कर पदस्थ नहीं किया गया है और उन्हें अन्यत्र संलग्न रखकर शासन के आदेशों की खुली अवहेलना की जा रही है। इसके चलते उप स्वास्थ्य केन्द्र में महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता का पद रिक्त पड़ा हुआ है, जिससे क्षेत्र के लोगों को स्वास्थ्य सुविधाओं से वंचित रहना पड़ रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि स्वास्थ्य केन्द्र में रात्रि के समय ताला लगा रहता है और आपात स्थिति में कोई व्यवस्था उपलब्ध नहीं होती, जिससे लोगों को मजबूरी में दूर-दराज के अस्पतालों की ओर जाना पड़ता है। यह स्थिति सीधे तौर पर ग्रामीणों के जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम पंचायत पिरदा की सरपंच जानकी पटेल तथा ग्राम पंचायत गेड़ागली की उपसरपंच द्वारा कलेक्टर को आवेदन सौंपकर मांग की गई है कि महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता को तत्काल कार्यमुक्त कर उप स्वास्थ्य केन्द्र पिरदा में पदस्थ किया जाए। पूरे मामले में सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि जब शासन द्वारा स्पष्ट आदेश जारी किए जा चुके हैं, तो उनका पालन अब तक क्यों नहीं हुआ और आखिर किसके संरक्षण में यह लापरवाही जारी है। पिरदा का उप स्वास्थ्य केन्द्र आज प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है, जहां सुविधाएं कागजों में सिमटकर रह गई हैं और जमीनी स्तर पर ग्रामीणों को अपने जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। अब देखना होगा कि प्रशासन इस गंभीर मामले को कितनी गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई करता है या फिर किसी बड़ी अनहोनी के बाद ही व्यवस्था जागेगी।

बरमकेला-सरिया क्षेत्र में झमाझम बारिश : ग्रामीण अंचलों में हल्की, आने वाले दिनों में बदलेगा मौसम का मिजाज..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के बरमकेला-सरिया क्षेत्र में रविवार की दोपहर जमकर बारिश हुई, जिससे मौसम सुहावना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं सरिया तहसील के कई जगहों पर हल्की बारिश भी दर्ज की गई। अचानक बदले मौसम ने एक ओर जहां तापमान में गिरावट लाई, वहीं किसानों के चेहरे पर भी राहत देखी गई।

अगले 4 दिनों तक बारिश और तेज हवाओं का अलर्ट

मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, छत्तीसगढ़ में अगले तीन चार दिनों तक गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवा और आंधी के कारण पेड़ गिरने, बिजली बाधित होने जैसी स्थिति बन सकती है, इसलिए लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।

तापमान में उतार-चढ़ाव के संकेत

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में तापमान में बदलाव देखने को मिलेगा। मध्य और उत्तरी छत्तीसगढ़ में अगले 48 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है, जिसके बाद 1 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की जाएगी। वहीं दक्षिणी छत्तीसगढ़ में अगले तीन दिनों तक तापमान में ज्यादा बदलाव नहीं होने की संभावना है।

किसानों और आम लोगों के लिए राहत और सावधानी दोनों जरूरी

बारिश से जहां एक ओर फसलों को फायदा मिलने की उम्मीद है, वहीं तेज हवाओं और बिजली गिरने के खतरे को देखते हुए किसानों और आम नागरिकों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। खुले मैदान, पेड़ों के नीचे या कच्चे ढांचों के पास रहने से बचने की अपील की गई है।

प्रशासन की नजर, मौसम पर लगातार अपडेट

मौसम विभाग की चेतावनी को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क है और हालात पर नजर बनाए हुए है। आने वाले दिनों में मौसम का मिजाज बदलता रहेगा, ऐसे में लोगों को सलाह दी गई है कि वे जरूरी सावधानी बरतें और मौसम से जुड़ी ताजा जानकारी पर ध्यान देते रहें।

भाई ने भाई की ली जान : कनकबीरा क्षेत्र में घरेलू विवाद बना खूनी वारदात, लोहे को रॉड से किया हमला..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

चौकी कनकबीरा क्षेत्र के ग्राम रोहिनापाली में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने छोटे भाई की सरिया मोड़ने वाली रॉड से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

खाना बनाने की बात पर शुरू हुआ विवाद

घटना 3 अप्रैल की रात करीब 11 बजे की है, जब आरोपी भरत लाल सिदार का अपनी पत्नी से खाना बनाने की बात को लेकर विवाद हो रहा था। इस दौरान छोटे भाई नेतराम सिदार बीच-बचाव करने पहुंचे और बड़े भाई को समझाने की कोशिश की।

रॉड से ताबड़तोड़ हमला, मौके पर मौत

विवाद बढ़ने पर आरोपी भरत लाल सिदार ने गुस्से में आकर घर में रखी सरिया मोड़ने वाली रॉड उठाई और छोटे भाई के सिर पर दो-तीन वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से नेतराम सिदार मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

ग्रामीणों की मदद से आरोपी गिरफ्तार

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आरोपी को हिरासत में लिया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड और खून लगे कपड़े जब्त किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी टीकाराम खटकर, प्रधान आरक्षक हीराधार नाग, आरक्षक बिहारी साहू, जीतराम यादव, कुंज बिहारी निराला एवं समस्त चौकी स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन संपन्न

खरसिया/मूक पत्रिका

ग्राम पंचायत बड़े जामपली में नवीन सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमि पूजन जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि श्री छोटेलाल पटेल के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस दौरान विधिवत पूजा-अर्चना कर नारियल फोड़कर निर्माण कार्य की शुरुआत की गई।

ग्रामीणों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसे प्राथमिकता देते हुए इस कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई। मुख्य अतिथि श्री पटेल ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाए।इस अवसर पर सरपंच श्री खीर कुमार राठिया, पंच श्री हेमलाल राठिया, वरिष्ठ ग्रामीण श्री शोभा नायक, श्री संजय नायक, भाजपा

युवा मोर्चा चपले मंडल के नवनियुक्त महामंत्री श्री वीरेंद्र निषाद एवं श्री धर्मेश नायक सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री छोटेलाल पटेल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार करना उनकी प्राथमिकता है। सीसी रोड निर्माण से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा बरसात के दिनों में होने वाली समस्याओं से राहत मिलेगी वहीं, सरपंच श्री खीर कुमार राठिया ने इस जनहितकारी कार्य के लिए जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया।

जुगेंद्र प्रसाद साहू ने 13 मेडल जीतकर रचा इतिहास, वनांचल के शिक्षक ने बढ़ाया जिले का मान..

सारंगढ़-बिलाईगढ/मूक पत्रिका

जिले के बरमकेला विकासखंड अंतर्गत वनांचल ग्राम झीकीपाली के किसान पुत्र और चांटीपाली माध्यमिक शाला में पदस्थ शिक्षक जुगेंद्र प्रसाद साहू ने महज 3 महीनों में 13 पदक हासिल कर एक नई मिसाल कायम की है। उन्होंने गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर न सिर्फ अपने क्षेत्र बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन किया है।

राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन17 से 22 मार्च तक चंडीगढ़ में आयोजित प्रतियोगिताओं में साहू ने सिविल सर्विस योगासन स्पोर्ट्स के रिदमिक योगासन में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। वहीं खेलो इंडिया मास्टर एथलेटिक्स में भाग लेते हुए 10 मीटर एयर पिस्टल शूटिंग में गोल्ड मेडल, 100 और 200 मीटर दौड़ में सिल्वर मेडल तथा 4म100 मीटर रिले रेस में भी सिल्वर मेडल जीतकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

संघर्षों के बीच हासिल की बड़ी सफलता-वनांचल क्षेत्र से निकलकर इस मुकाम तक पहुंचना आसान नहीं था। कई कठिनाइयों के बावजूद साहू ने लगातार मेहनत जारी रखी और दूसरे राज्यों के प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए कम समय में यह उपलब्धि हासिल की। उनकी सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और शिक्षा जगत में भी गर्व की अनुभूति हो रही है।

विश्व स्तर पर पहचान बनाने का लक्ष्य-अपनी सफलता पर जुगेंद्र प्रसाद साहू ने तहसीलदार पुष्पेंद्र सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी जे.आर. डहेरिया, मित्र सुभाष चौहान सहित अपने सहयोगियों और स्टाफ का आभार जताया। उन्होंने बताया कि उनका लक्ष्य वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन करना है। कलेक्टर संजय कन्नौजे ने भी उन्हें आगामी थाईलैंड में होने वाली प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

रायगढ़ के संस्कार पब्लिक स्कूल और बरमकेला क्षेत्र का बढ़ाया मान, अश्विनी पटेल का एसबीआई में चयन

रायगढ़ /मूक पत्रिका

कहते हैं कि अगर बुनियाद मजबूत हो, तो सफलता की इमारत बुलंद होती है। रायगढ़ की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल के एक पूर्व छात्र ने इस बात को सच कर दिखाया है। बरमकेला क्षेत्र के ग्राम विक्रमपाली निवासी और अघरिया समाज के वरिष्ठ नेता ताराचंद पटेल के सुपुत्र अश्विनी पटेल का चयन भारतीय स्टेट बैंक में जूनियर एसोसिएट के पद पर हुआ है। अश्विनी की इस उपलब्धि ने न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले का मान बढ़ाया है।

मेधावी छात्र से बैंक ऑफिसर तक का सफर-अश्विनी पटेल शुरू से ही अपनी कुशाग्र बुद्धि के लिए जाने जाते रहे हैं। उनके पिता ताराचंद पटेल, जो बरमकेला के पूर्व जनपद सदस्य और अघरिया समाज के पूर्व अध्यक्ष हैं, बताते हैं कि अश्विनी का लक्ष्य हमेशा से स्पष्ट था। अश्विनी ने संस्कार पब्लिक स्कूल से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की, जहाँ उन्होंने 10वीं बोर्ड में 10 ष्टत्रक्क लाकर स्कूल टॉप किया था। इसके बाद उन्होंने इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की और फिर बैंकिंग क्षेत्र की कठिन

परीक्षा में सफलता का परचम लहराया।

गुरुओं के मार्गदर्शन को दिया सफलता का श्रेय-अश्विनी अपनी इस कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता के आशीर्वाद और अपने स्कूल के गुरुजनों को देते हैं। उन्होंने विशेष रूप से संस्कार पब्लिक स्कूल के मार्गदर्शक श्री रामचंद्र शर्मा के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहाः ÷रामचंद्र शर्मा सर मेरे लिए एक 'लाइटहाउस' की तरह रहे हैं। उनका दूरदर्शी नेतृत्व ही था जिसने मुझे बड़े सपने देखने का साहस दिया। स्कूल छोड़ने के सालों बाद भी उनका मार्गदर्शन मेरे काम आया। साथ ही सी.पी. देवांगन सर ने गणित की जो बारीकियां सिखाई, उसी का नतीजा है कि मैं बैंकिंग जैसी प्रतियोगी परीक्षा को क्रैक कर सका।÷

संस्कार स्कूल में गौरव का माहौल-अश्विनी की इस सफलता पर संस्कार पब्लिक स्कूल के मार्गदर्शक रामचंद्र शर्मा और प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा सहित पूरे स्टाफ ने खुशी जाहिर की है। रामचंद्र शर्मा ने बताया कि अश्विनी केवल पढ़ाई में ही नहीं, बल्कि खेलकूद और अन्य गतिविधियों में भी हमेशा अव्वल रहते थे। विद्यालय प्रबंधन का कहना है कि एक छात्र की सफलता ही किसी संस्थान की असली पूंजी होती है।

क्षेत्र में खुशी की लहर-बरमकेला और विक्रमपाली क्षेत्र के लोगों ने अश्विनी की नियुक्ति को युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताया है। एक सामान्य ग्रामीण परिवेश से निकलकर देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक में जगह बनाना यह साबित करता है कि मेहनत और सही दिशा हो तो कोई भी लक्ष्य नामुमकिन नहीं है

जिम्मेदारों की मिली भगत से फल फूल रहा है अवैध बालू खनन का व्यापार, घरघोड़ा क्षेत्र में रेत माफिया कुरकुट नदी का सीना कर रहे है छलनी

रायगढ़/मूक पत्रिका

घरघोड़ा में रेत माफिआओं के हौसले इस कदर बुलंद हैं कि उन्हें न तो शासन का खौफ है और न ही प्रशासन की कार्रवाई का डर। घरघोड़ा क्षेत्र की जीवनदायिनी मानी जाने वाली कुरकुट नदी इन दिनों माफिआओं की अवैध कमाई का जरिया बन चुकी है।

दिन के उजाले से लेकर रात के अंधेरे तक, धड़ल्ले से रेत की चोरी की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग गहरी नींद में सोया हुआ है।

कहाँ है माइनिंग विभाग और पुलिस प्रशासन-क्षेत्र में यह चर्चा जोरों पर है कि बिना ÷ऊपरी संरक्षण÷ के इतना बड़ा अवैध कारोबार संचालित होना नामुमकिन है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि अवैध रेत परिवहन की जानकारी होने के बावजूद माइनिंग विभाग और पुलिस प्रशासन की चुप्पी कई गंभीर सवाल खड़े करती है। क्या शासन-प्रशासन के साये में ही यह लूट चल रही है

नदी का अस्तित्व खतरे में कुरकुट नदी से जिस तरह मशीनों के जरिए रेत निकाली जा रही है, उससे नदी का जलस्तर गिरने और प्राकृतिक

स्वरूप बिगड़ने का खतरा पैदा हो गया है। भारी वाहनों की आवाजाही से गांव की सड़कें बदहाल हो रही हैं, लेकिन माफिआओं के रसूख के आगे आम जनता बेबस है।

प्रमुख सवाल जो जवाब मांगते हैं:जब खुलेआम रेत चोरी हो रही है, तो खनिज विभाग के अधिकारी निरीक्षण करने क्यों नहीं पहुँचतेक्या अवैध रेत से होने वाली कमाई में सफेदपोशों की भी हिस्सेदारी हैनिष्कर्षःअगर समय रहते इस अवैध उत्खनन पर लगाम नहीं लगाई गई, तो क्षेत्र का पर्यावरण पूरी तरह तबाह हो जाएगा। अब देखना यह है कि इस समाचार के बाद जिला प्रशासन जागता है या माफिआओं का यह 'सिक्का' यूँ ही चलता रहेगा।

निजी दीवारों पर बिना अनुमति लिखे जा रहे स्वच्छता स्लोगन,नहीं हुई सफाई तो करेंगे शिकायत

निगम की मनमानी कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

रायगढ़/मूक पत्रिका

स्वच्छता सर्वेक्षण में उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर निगम प्रशासन द्वारा शहर में पेंटिंग के साथ ही दीवारों पर स्लोगन भी लिखे जा रहे है।परन्तु निगम के इस कार्य पर भी मनमानी रवैए का आरोप लगना शुरू हो गया है।इसका कारण मकान मालिकों से बिना इजाजत दीवारों पर स्लोगन लिखा जाना है।जिसे लेकर लोगों में काफी नाराजगी देखने को मिली है। गौरतलब हो कि शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के उद्देश्य से नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025क्क26 को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसके तहत शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों, चौक-चौराहों और दीवारों पर रंग-रोगन कर स्वच्छता से जुड़े जागरूकता स्लोगन और प्रचारात्मक संदेश लिखे जा रहे हैं। निगम का उद्देश्य लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना और सर्वेक्षण में बेहतर रैंक हासिल करना है।हालांकि इस अभियान के दौरान निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल भी

उठने लगे हैं। शहर के कई इलाकों में जिन दीवारों पर स्वच्छता से जुड़े स्लोगन और विज्ञापन लिखे जा रहे हैं, उनमें से कई दीवारें नगर निगम या किसी शासकीय विभाग की नहीं बल्कि निजी मकान मालिकों की संपत्ति बताई जा रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन निजी दीवारों पर रंग-रोगन और प्रचार-प्रसार का कार्य बिना किसी अनुमति के किया जा रहा है।प्रभावित मकान मालिकों का आरोप है कि नगर निगम द्वारा न तो उनसे मौखिक सहमति ली गई और न ही कोई लिखित अनुमति प्राप्त की गई। बिना अनुमति के ही दीवारों पर रंग-रोगन कर स्वच्छता संदेश और प्रचार सामग्री लिख दी गई। इससे कई लोगों में नाराजगी भी देखी जा रही है।स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि नगर निगम को प्रचार-प्रसार के लिए निजी संपत्तियों का उपयोग करना ही है तो पहले संबंधित मकान मालिक से अनुमति लेना जरूरी है। बिना सहमति के निजी संपत्ति पर इस प्रकार का कार्य किया जाना नियमों और नागरिक अधिकारों की अनदेखी माना जा रहा है।

निगम की मनमानी कार्यप्रणाली पर सवाल?

इस पूरे मामले को लेकर नगर निगम की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। लोगों का कहना है कि स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण अभियान में भी यदि प्रशासन मनमानी तरीके से काम करेगा, तो इससे लोगों में निगम के प्रति नकारात्मक संदेश जाएगा।

कुछ नागरिकों का यह भी कहना है कि शहर में कई शासकीय भवनों, सार्वजनिक दीवारों और निगम की संपत्तियां उपलब्ध हैं, जहां इस प्रकार के प्रचार-प्रसार किए जा सकते हैं। इसके बावजूद निजी दीवारों को बिना अनुमति उपयोग में लाना उचित नहीं माना जा रहा।लोगो का मानना है कि स्वच्छ सर्वेक्षण जैसे अभियान में जनभागीदारी बेहद जरूरी है। ऐसे में निगम प्रशासन को चाहिए कि जिन निजी दीवारों का उपयोग प्रचार-प्रसार के लिए किया जा रहा है, उनके मकान मालिकों से पूर्व अनुमति लेकर ही रंग-रोगन और स्लोगन लिखे जाएं।

नहीं हुई सफाई तो करेंगे शिकायत

इस पूरे मामले में प्रभावित रामबाग स्थित मंजन मालिक सुधीर पटेल ने मुक पत्रिका से चर्चा में बताया कि निगम के कर्मचारी घर मालिक की अनुपस्थिति और बिना उनकी जानकारी के ही दीवारों पर स्लोगन लिखने का कार्य कर रहे है।

जब उनसे इसकी जानकारी मांगी गई तो निगम के आला अधिकारियों द्वारा निर्देश दिए जाने की बात कही गई।जब उन्होंने आपत्ति जताई तो दीवार साफ कराने की बात तो कही गई।जो अब तलक नहीं हो सका है।वही अब प्रभावित मकान मालिक द्वारा निगम की इस गतिविधि को लेकर दीवार साफ न होने की स्थिति में निगम के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात कही जा रही है।

संपादकीय

हर हादसे के बाद वही कहानी, आखिर क्यों नहीं रुक रहीं भगदड़ में होती मौतें

सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से होती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है।केंद्र और राज्य सरकारों के दावों के बावजूद देश में भगदड़ की घटनाओं का सिलसिला थम नहीं रहा है। बिहार में नालंदा जिले के मघड़ा गांव में मंगलवार को प्राचीन शीतला माता मंदिर में ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना में कम से कम आठ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें अधिकतर महिलाएं थीं। यह हादसा बताता है कि इस तरह की पहले की घटनाओं से कहीं कोई सबक नहीं लिया गया।प्रारंभिक जांच में इस भगदड़ का कारण मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ जुटना बताया जा रहा है, हालांकि इसकी असली वजह गहन जांच-पड़ताल के बाद ही सामने आ पाएगी। सवाल है कि धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में लोगों की भीड़ को व्यवस्थित एवं नियंत्रित करने के लिए शासन एवं प्रशासन की ओर से पुख्ता बंदोबस्त क्यों नहीं किए जाते?सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि भगदड़ की घटनाएं लगभग वैसे ही कारणों से होती हैं, जैसे पहले हो चुकी होती हैं। हर बार जांच, कठोर कार्रवाई करने, सबक सीखने की बातें की जाती हैं, लेकिन नतीजा ढाक के तीन पात वाला ही रहता है। गौरतलब है कि पिछले कुछ माह में भगदड़ की कई बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं। कुंभ में भगदड़ मचने से अनेक लोग मारे गए थे। इसके बाद बंगलुरु में आरसीबी की जीत के जश्न में आयोजित समारोह में भगदड़ से कई लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा पुरी में भगदड़ ने कई लोगों की जान ले ली थी। इससे पहले हाथरस के एक आश्रम में भगदड़ की वजह से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने की घटना को भी नहीं भूला जा सकता। आखिर ऐसी कितनी घटनाओं के बाद शासन और प्रशासन चेतेगा। कहा जा रहा है कि नालंदा जिले में शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं की अत्यधिक भीड़ जमा हो गई, जिससे भगदड़ मच गई। सवाल है कि स्थानीय प्रशासन धार्मिक स्थलों पर लोगों की संभावित भीड़ का अनुमान लगाने में इतना अक्षम क्यों है?क्या इसका कारण उसकी संवेदनहीनता है या फिर संबंधित अधिकारी इस बात से निश्चिंत होते हैं कि कोई भी घटना हो जाए, उनका कुछ नहीं बिगड़ने वाला। अक्सर यह देखा गया है कि इस तरह के मामलों में निचले स्तर के कर्मियों पर तो तात्कालिक कार्रवाई की जाती है, लेकिन संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जाती है।धार्मिक स्थलों और बड़े आयोजनों में भगदड़ के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें लोगों की ज्यादा भीड़ जमा होना, बाहर निकलने की सही व्यवस्था न होना, भीड़ को संभालने एवं नियंत्रित करने की व्यवस्था का अभाव और आयोजन स्थल पर बुनियादी सुविधाओं की कमी शामिल है। कई बार ऐसे स्थलों पर अफवाह की वजह से भी इस तरह के हादसे होते हैं।ऐसा नहीं है कि स्थानीय प्रशासन इन कारणों से अनभिज्ञ होता है, इसके बावजूद अगर भगदड़ में निर्दोष लोगों की जान चली जाए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? क्या ऐसी किसी घटना के बाद संबंधित कर्मचारियों को निलंबित कर देने की कार्रवाई काफी है, क्या इसके लिए अधिकारियों की जिम्मेदारी तय नहीं की जानी चाहिए!ऐसा लगता है कि पहले की घटनाओं से न तो शासन-प्रशासन कोई सबक सीख रहा है और न ही आम लोग संयम एवं अनुशासन का परिचय देने की जरूरत महसूस करते हैं। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि नालंदा की इस घटना के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच की जाएगी और दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा।

एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है। दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस गवर्नेंस वैक्यूम को भरना एक लंबी प्रक्रिया है।

नक्सलवाद की समाप्ति की घोषणा के बाद भी बहुत कुछ करना होगा

(अशोक मधुप)

अमित शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। काफी पहले केंद्र सरकार ने घोषणा की थी कि मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद समाप्त हो जाएगा। मार्च 2026 की अवधि से एक दिन पहले ही गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा में बड़ी घोषणा की। नक्सलवाद पर चर्चा के दौरान गृह मंत्री ने कहा कि देश में नक्सलवाद अब लगभग समाप्त हो चुका है। आदिवासी इलाकों में असली न्याय पहुंचा है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अचानक नहीं आया, बल्कि 2014 के बाद केंद्र सरकार की सख्त नीति, सुरक्षा अभियान और विकास योजनाओं के कारण संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार नकसल प्रभावित क्षेत्र में तेजी से विकास करा रही है। शिक्षा के लिए स्कूल और उपचार के लिए वहां अस्पताल खुल रहे हैं। अमित शाह ने कहा कि नक्सलवाद की जड़ें खत्म हो रही हैं और आदिवासियों की आवाज अब संसद तक पहुंची है। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने समस्या को बढ़ने दिया। मोदी सरकार के फैसलों से हालात बदले हैं। उन्होंने कहा कि नक्सल विचारधारा आदिवासियों को गुमराह करती है और अब देश नक्सलवाद मुक्त बनने की ओर बढ़ रहा है।

उन्होंने साफ कहा कि सरकार ने नक्सलियों से बातचीत नहीं, बल्कि उन्हें खत्म कर विकास को आगे बढ़ाने का रास्ता चुना। उन्होंने कहा कि जो हथियार उठाएगा, उसे कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि नक्सलियों का पूरा केंद्रीय नेतृत्व, पोलित ब्यूरो और कमेटी अब खत्म हो चुकी है। काफी मारे गए, बहुतों ने सरेंडर किया। कुछ अभी फरार हैं।

शाह ने कहा कि देश अब नक्सलमुक्त होने की स्थिति में पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि कई बड़े ऑपरेशन जैसे बुढ़ा, थंडरस्टॉर्म और ब्लैक फॉरेस्ट चलाए गए। इनमें भारी मात्रा में हथियार, आईईडी फैक्ट्री और अनाज बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और ओडिशा के बड़े इलाके अब नक्सल प्रभाव से बाहर आ चुके हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय पुलिस की भूमिका को उन्होंने अहम बताया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने बताया कि आजादी के समय देश संसाधनों की कमी और विकास की चुनौतियों से जूझ रहा था। कई दूर-दराज के इलाकों तक सरकार की पहुंच नहीं थी, सड़कों और सुविधाओं का अभाव था। ऐसे हालात में कुछ संगठनों ने इन कमजोरियों का फायदा उठाया। जहां राज्य की पकड़ कम थी, उन्हीं इलाकों को रेड कॉरिडोर बनाया गया। भोले-भाले आदिवासियों को भेदभाव और शोषण के नाम पर भड़काया गया और उनके हाथों में हथियार थमा दिए गए। हकीकत यह है कि इन क्षेत्रों में योजनाबद्ध भेदभाव नहीं, बल्कि विकास की कमी थी, जिसका इस्तेमाल कर हिंसा को बढ़ावा दिया गया।

शाह ने बताया कि केंद्र सरकार ने ऑल एजेंसी अप्रोच अपनाई। इसमें सीएपीएफ, राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों के बीच तालमेल बढ़ाया गया। फंडिंग और स्पोर्ट सिस्टम पर प्रहार किया गया। सरेंडर नीति लागू की गई। इसमें आत्मसमर्पण करने वालों को आर्थिक मदद और पुनर्वास दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार ने हर गांव तक अपनी पहुंच बनाई, इससे नक्सलवाद कमजोर हुआ।

उन्होंने दावा किया कि नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर विकास हुआ। हजारों किलोमीटर सड़कें बनीं, मोबाइल टावर लगाए गए, बैंक, एटीएम और डाकघर खोले गए। शिक्षा के लिए एकलव्य स्कूल, आईटीआई और कौशल केंद्र बनाए गए। उन्होंने कहा कि विकास ही नक्सलवाद खत्म करने का सबसे बड़ा कारण बना। शाह ने कहा कि नक्सलवाद गरीबी से नहीं, बल्कि विचारधारा से पैदा हुआ। उन्होंने कहा कि यह विचारधारा लोकतंत्र में विश्वास नहीं करती और बंदूक के जरिए सत्ता चाहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासियों को बरगलाकर उनके हाथ में हथियार दिए गए और विकास को रोका गया। गृह मंत्री ने कहा कि सरकार आगे भी सख्ती और विकास दोनों पर काम जारी रखेगी। उन्होंने आदिवासी समाज को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और विकास सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि अब देश बंदूक से नहीं, संविधान से चलेगा और यही असली जीत है। गृह मंत्री के अनुसार, जिस रेड कॉरिडोर का विस्तार कभी पशुपति से तिरुपति तक माना

जाता था, वह अब सिमटकर केवल कुछ जिलों तक रह गया है। 2014 में जहाँ 126 जिले वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित थे, वहीं 2025-26 तक यह संख्या घटकर मात्र एक अंक में रह गई है। छत्तीसगढ़ का बस्तर संभाग, जो कभी नक्सलियों का अभेद्य किला माना जाता था। अब वह सुरक्षा बलों के नियंत्रण में है और वहां विकास की किरणें पहुँच रही हैं। सरकार के इन दावों की पुष्टि जमीनी आंकड़ों से भी होती है। पिछले कुछ वर्षों में नक्सली हिंसा की घटनाओं में 70 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सुरक्षा बलों की शहादत के आंकड़ों में भी भारी गिरावट दर्ज की गई है। ऑपरेशन कगार और ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट जैसे लक्षित अभियानों के माध्यम से सुरक्षा बलों ने नक्सली नेतृत्व की कमर तोड़ दी है। 2025 के दौरान ही 300 से अधिक नक्सली मारे गए। इनमें कई शीर्ष कमांडर शामिल थे। इसके साथ ही, हजारों की संख्या में कैडरों ने आत्मसमर्पण किया है,। यह समर्पण इस बात का प्रतीक है कि अब इस विचारधारा का आकर्षण खत्म हो रहा है। इतना सब होने के बावजूद, इन सफलताओं के बावजूद नक्सलवाद की चुनौतियां पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती भौगोलिक विषमता है। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जैसे घने वन क्षेत्र आज भी सुरक्षा बलों के लिए कठिन परीक्षा बने हुए हैं। नक्सलियों ने अपने पैर पीछे जरूर खींचे हैं, लेकिन वे पूरी तरह खत्म नहीं हुए हैं। वे अक्सर घने जंगलों और दुर्गम पहाड़ियों का लाभ उठाकर छापामार हमले करने की ताक में रहते हैं। इसके अलावा, अर्बन नक्सलिज्म या वैचारिक उग्रवाद एक नई चुनौती बनकर उभरा है। शहरों में बैठे कुछ बौद्धिक समूह नक्सलियों को वैचारिक और रसद सहायता प्रदान करते हैं। इससे इस समस्या की जड़ें गहरी बनी रहती हैं। जब तक इन वैचारिक और वित्तीय नेटवर्क को पूरी तरह ध्वस्त नहीं किया जाता, तब तक उग्रवाद के पुनर्जीवित होने का खतरा बना रहेगा। एक अन्य महत्वपूर्ण चुनौती स्थानीय आदिवासियों के बीच विश्वास की बहाली है। दशकों से विकास की मुख्यधारा से कटे होने के कारण, कई क्षेत्रों में ग्रामीण अब भी सुरक्षा बलों को संदेह की दृष्टि से देखते हैं। नक्सली अक्सर इस अविश्वास का फायदा उठाते हैं और ग्रामीणों को ढाल के रूप में उपयोग करते हैं। सुरक्षा बलों और स्थानीय जनता के बीच के इस गवर्नेंस वैक्यूम को भरना एक लंबी प्रक्रिया है। केवल सड़कों या मोबाइल टावरों का निर्माण पर्याप्त नहीं है; लोगों को यह महसूस कराना होगा कि सरकार उनकी संस्कृति और अधिकारों की रक्षक है। इसके साथ ही, पड़ोसी राज्यों के बीच समन्वय की कमी भी कई बार बाधा बनती है, क्योंकि नक्सली एक राज्य में दबाव बढ़ने पर दूसरे राज्य की सीमा में शरण ले लेते हैं। विकास के मोर्चे पर, सरकार को नियत नेल्लानार (आपका अच्छा गांव) जैसी योजनाओं को और विस्तार देना चाहिए, जो अंतिम छोर तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने पर केंद्रित हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का सुदृढ़ीकरण सबसे प्रभावी हथियार है। जब आदिवासियों के बच्चों के पास स्कूल होंगे और उनके युवाओं के पास रोजगार के अवसर होंगे, तो नक्सलियों की भर्ती प्रक्रिया स्वतः ही बंद हो जाएगी। कौशल विकास केंद्रों के माध्यम से स्थानीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना नक्सली विचारधारा के ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है। साथ ही, वन अधिकारों (फोरेस्ट राइट एक्ट) का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा ताकि आदिवासियों को अपनी जमीन पर मालिकाना हक का अहसास हो और वे उग्रवाद के बहकावे में न आएं। मान्यता है कि नक्सलवाद का पूर्ण उन्मूलन केवल बंदूकों के दम पर संभव नहीं है। वास्तव में ऐसा भी नहीं हैं। कभी श्रीलंका में लिट्टे बहुत मजबूत संगठन था। उसके लड़ाके बेमिसाल थे। श्रीलंका के साथ भारतवर्ष को भी वह प्रभावित कर रहा था। इस पर भारतीय प्रधानमंत्री राजीव गांधी (1991), श्रीलंकाई राष्ट्रपति प्रेमदासा रनसिंघे (1993) सहित कई लोगों की हत्या का आरोप है। श्रीलंका सरकार से इस संगठन को खत्म करने का निर्णय लिया। एक झटके में 2009 में लिट्टे पूरी तरह खत्म हो गया। न श्रीलंका सरकार ने उसके लड़ाकों को फुसलाया। न समर्पण के लिए कहा। बंदूक के बल पर लिट्टे को खत्म कर दिया। भारत सरकार तो नक्सलवाद को खत्म करने के लिए इन्हें समझाने और आत्मसमर्पण के लिए प्रेरित कर रही है। सरकार को अपनी आत्मसमर्पण और पुनर्वास नीति को और अधिक उदार और प्रभावी बनाना चाहिए, ताकि भटक चुके युवा बिना किसी डर के मुख्यधारा में लौट सकें।

इस सबके लिए तकनीकी और खुफिया तंत्र को भी मजबूत करना होगा। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके नक्सली गतिविधियों पर नजर रखना और उन्हें समय रहते रोकना संभव है। इसके अलावा, राज्यों और केंद्र के बीच बेहतर समन्वय भी आवश्यक है, क्योंकि नक्सलवाद कई राज्यों में फैला हुआ है। इससे निपटने के लिए संयुक्त प्रयासों की जरूरत होती है। मजबूत इच्छा शक्ति की भी आवश्यक्ता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

नेपाल में सत्ता बदली और जांच के घेरे में आए दिग्गज नेता, 'क्लीनअप ऑपरेशन' शुरू

(पुष्परंजन)

नेपाल में नई सत्ता के आते ही ऐसा लग रहा है मानो भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की कवायद शुरू हो गई है। इसके तहत तीन पूर्व प्रधानमंत्रियों और दो पूर्व मंत्रियों के खिलाफ कथित धनशोधन मामले को लेकर एक विस्तृत जांच शुरू की गई है। नई सरकार के निर्देश पर जांच में जुटे अधिकारियों को वित्तीय गड़बड़ियां मिली हैं। उन्हें इन नेताओं की संपत्तियों के दस्तावेज में विसंगतियां दिखी हैं।

काठमांडो में पुल्चोक स्थित संपत्ति शुद्धिकरण अनुसंधान विभाग (डीएमएलएआइ) की ओर से नेपाल पुलिस के केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीआइबी) की मदद से पूर्व प्रधानमंत्रियों शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्पकमल दहाल के साथ ही पूर्व मंत्रियों आरजू राणा देउबा और दीपक खड़का के खिलाफ गहन जांच की जा रही है। मामला अब अदालत में है, सरकार की तरफ से जवाब आने पर सुनवाई शुरू होगी। यह नेपाल में नया राजनीतिक परिदृश्य है।

पिछले हफ्ते डीएमएलएआइ ने पुलिस मुख्यालय को एक पत्र भेज कर जांच में सहयोग मांगा था। इस अनुरोध पर कार्रवाई करते हुए नेपाली कांग्रेस के नेता और पूर्व मंत्री दीपक खड़का और नेकपा-एमाले अध्यक्ष व पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को पिछले दिनों उनके निवास से गिरफ्तार कर लिया गया। मामले को विस्तृत जांच के स्तर तक ले जाने से पहले संपत्ति शुद्धिकरण अनुसंधान विभाग ने लगभग छह महीनों तक शुरुआती पूछताछ की थी।

दरअसल, यह चर्चा आम थी कि अब सरकार उस पार्टी की है, जिसके मुखिया रबी लामिछाने करोड़ों रुपए के गबन और धनशोधन जैसे गंभीर मामले में जेल में थे। इस तरह की चर्चा किसी भी सरकार को स्वतः कठघरे में खड़ा कर देती है। यह कार्रवाई भी इसकी कवायद लगती है कि देश के उन दिग्गज चेहरों का मुखौटा उतारो, जो बरसों से सत्ता में थे। माना जा रहा है कि नेपाल में नया निजाम अब यह चाह रहा है कि धनशोधन और दूसरे गैरकानूनी कार्यों में कथित रूप से संलिप्त पूर्व मंत्रियों और प्रधानमंत्रियों के कृत्यों का भी पर्दाफाश हो, ताकि कोई यह न कह सके कि सत्ताधारी पक्ष के सर्वोच्च नेता लामिछाने का अतीत दागदार रहा है।

नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री एवं राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अध्यक्ष लामिछाने पर मुख्य रूप से सहकारी संस्थाओं से करोड़ों रुपए के गबन, संगठित अपराध और धनशोधन के गंभीर मामले चल रहे हैं। पूर्व पत्रकार रहे लामिछाने पर आरोप है कि उन्होंने अवैध रूप से सहकारी समितियों का पैसा अपने निजी खाते और गोरखा मीडिया नेटवर्क के खातों में डलवाए थे। पुलिस जांच में पाया गया था कि 16 अरब रुपए लेकर नेपाल से फरार जीबी राई के साथ मिल कर सहकारी घोटालों के पीछे मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक रबी लामिछाने थे। अक्टूबर 2024 में गिरफ्तार होने के बाद से उन पर जिला अदालतों में मामले चल रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों के मुताबिक, नेकपा-एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली और कांग्रेस नेताओं की गिरफ्तारियों से यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि नेपाल की जनता देखे कि इन सभी की कमीज, रबी लामिछाने की कमीज से भी गंदी है। इस जांच की शुरुआत विरोध प्रदर्शनों के ठीक अगले दिन नौ सितंबर 2025 को हुई थी। उस दिन हुई तोड़फोड़ और आगजनी की घटनाओं के बाद सामने आई तस्वीरों में देउबा, खड़का और प्रचंड के घरों में जले हुए कई नोट दिखाई दिए थे।

पूर्व ऊर्जा मंत्री खड़का को नौ सितंबर की घटनाओं के दौरान उनके घर से बरामद पैसों की जांच के सिलसिले में हिरासत में लिया गया। हालांकि, अधिकारियों ने अन्य आरोपियों के खिलाफ चल रही जांच के बारे में और जानकारी का खुलासा नहीं किया है। पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पत्नी आरजू राणा देउबा सितंबर में हुए विरोध प्रदर्शनों तक विदेश मंत्री के पद पर थीं। मगर इस समय वह स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के उपचार के लिए हांगकांग में हैं। देउबा के बेटे जयवीर सिंह देउबा और उनके रिश्तेदार भूषण राणा देश से बाहर हैं। 28 सितंबर, 2025 को विभाग ने ज्वालाखेल स्थित राणा के घर पर छापा मारा और वहां से कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण तथा दस्तावेज जब्त किए। कुछ दिनों बाद उनके रिश्तेदारों के यहां भी छापे मारे गए। नई सरकार की कार्रवाई से लगता है कि देउबा परिवार की मुश्किलें अभी कम नहीं होने वाली हैं। आठ से 13 सितंबर, 2025 को आंदोलन के समय हुए उग्र प्रदर्शन में देशभर में 76 लोगों की जान चली गई थी। जबकि दो हजार से ज्यादा लोग घायल हुए थे। इस तोड़फोड़ और आगजनी में करीब 85 अरब रुपए की सरकारी संपत्ति का नुकसान हुआ था। संसद तक को लाक्षागृह बना दिया गया। अंततः पिछले साल नौ सितंबर को तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और उनके सभी मंत्रियों को इस्तीफा देना पड़ा था।

प्रकृति ...: साहित्यकारों के प्रेरक पलाश का संरक्षण जरूरी

काफी वर्षों से त्योहारों - दिवसों और विशेष अवसरों सहित देश में घटित सम - सामयिक घटनाओं पर लिखने का मेरा प्रायस मुझे निरंतर साहित्य से जुड़े रहने की प्रेरणा देता आ रहा है । मेरा चंचल मन ही वह प्रेरणा है जो कभी - कभी मुझे प्रकृति के सौंदर्य की ओर खींचने लगता है । ऐसा ही पल मेरे जीवन में विगत दो वर्षों से घुसने का प्रयास कर रहा है । जी ! हां ! मुझे अपनी

ईश्वर द्वारा निर्मित इस प्रकृति ने मानवीय जीवन को संतुलित और स्वस्थ रखने के लिए अनेक सौगातें दी हैं । इसके लिए हमें किसी विशेष प्रयत्न की जरूरत भी नहीं पड़ती है । मनुष्य ने अपनी जीवनशैली को स्वयं अव्यवस्थित कर प्रकृति को चुनौती पेश करने का दुः साहस किया है ! पर्यावरण को शुद्ध रखने वाले पेड़ - पौधों का संरक्षण भी मनुष्य से नहीं हो पा रहा है ! यह भी कह सकते हैं कि जंगलों में बिना देख - रख के आबोहवा को मनुष्य के अनुकूल रखने वाले वृक्षों को भी खुद मनुष्य अपने स्वार्थ के चलते नुकसान पहुंचाने से बाज नहीं आ रहा है । मै आज बात करना चाहता हूं नेत्रों को शीतलता प्रदान करने वाले टेसू अर्थात पलाश अथवा ढाक के फूल और वृक्ष की । इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि पलाश और प्रकृति का ईश्वर प्रदत्त अटूट रिश्ता रहा है । यह एक ऐसा वृक्ष है जो बसंत ऋतु में शुष्क जंगलों को केसरिया - लाल रंग से दहका कर ऊर्जा और प्राकृतिक सौंदर्य का संदेश देता नजर आता है । ÷ जंगल की आग ÷ अथवा जंगल का राजा कहलाने वाला यह वृक्ष विशेष रूप से आदिवासी संस्कृति में धार्मिक और औषधीय दृष्टि से महत्व रखने वाला है । टेसू अथवा पलाश का वृक्ष पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग है ।

काफी वर्षों से त्योहारों - दिवसों और विशेष अवसरों सहित देश में घटित सम - सामयिक घटनाओं पर लिखने का मेरा प्रायस मुझे निरंतर साहित्य से जुड़े रहने की प्रेरणा देता आ रहा है । मेरा चंचल मन ही वह प्रेरणा है जो कभी - कभी मुझे प्रकृति के सौंदर्य की ओर खींचने लगता है । ऐसा ही पल मेरे जीवन में विगत दो वर्षों से घुसने का प्रयास कर रहा है । जी ! हां ! मुझे अपनी सेवानिवृत्ति के बाद नगर के शिक्षाविदों का सानिध्य प्राप्त हुआ । राजनांदगांव से 50 किलोमीटर दूर अंबागढ़ चौकी में स्कूल खोलने का प्रस्ताव और नगर के सुधिजनों के साथ अंबागढ़ चौकी जाना ही वह सुनहरा पल रहा जिसने मुझे प्रकृति के अनुपम दृश्य की ओर आकर्षित किया । राजनांदगांव से निकलते ही रामपुर - जंगलपुर से टेसू का नजारा आंखों को सुकून देने लगता है । आगे डोंगरगांव , बांधा बाजार और फिर अंबागढ़ चौकी से चिल्हाटी मार्ग के चारों ओर नजरें घुमाने पर ऐसा प्रतीत होने लगता है मानो प्रकृति अपने आगंतुकों का स्वागत - सत्कार शानदार खिले हुए नारंगी - लाल टेसू के फूलों से कर रही हो ! इन्हीं सारी प्राकृतिक छटाओं के वशीभूत मेरा चंचल मन मानो मुझे ऊर्जा प्रदान करते हुए कह रह हो ~ ÷ सफर का असली मजा तब है जब मार्ग में प्रकृति का ऐसा शानदार नजारा मिल जाए ! पलाश के खिले हुए फूलों ने मेरे रोज के सफर को यादगार और न थकने वाली यात्रा बना दिया है ! मेरी छः दशक की उम्र के बाद जिंदगी नए रास्ते पर खूबसूरत लम्हों से भरी हुई प्रतीत हो रही है । हर मोड़ पर कुछ नया सीखने - देखने और महसूस करने का मौका शायद मुझे प्रकृति प्रदान कर रही है ! सफर जारी है ... जब तक इस मार्ग पर चलता रहूंगा , हर पड़ाव पर अनुभव की कलम चलती रहेगी ।

पलाश की चर्चा हो और संस्कृत साहित्य को बिसरा दिया जाए , तो बात अधूरी रह जाती है । हमारा सबसे समृद्ध संस्कृत साहित्य सीधे - सीधे पलाश से जुड़ा रहा है । संस्कृत साहित्य में पलाश के सुंदर रूप का वर्णन श्रृंगार रस के रूप में प्रचुरता के साथ हुआ है । पुष्पित पलाश वृक्ष के संबंध में कालिदास जी की कल्पना बहुत ही सरस कही जा सकती है । वे कहते हैं ~ ÷ बसंतकाल में पवन के झोंको से हिलती हुई पलाश की शाखाएं वन की ज्वाला की तरह प्रतीत होती है । वृक्ष से झड़े हुए नारंगी - लाल फूलों से आच्छादित धरती ऐसी प्रतीत होती है मानो लाल और नारंगी साड़ी में सजी कोई नववधू अपने शयन कक्ष में अपने जीवनसाथी का इंतजार कर रही हो । पलाश के वृक्षों में फूलों का नयनाभिराम खिलखिलाता दृश्य फरवरी माह के अंत से दिखाई पड़ने लगता है । ऐसा लगता है मानों प्रकृति के होलिकोत्सव में यही मुख्य अतिथि हो ! कवियों की कल्पना कुछ अलग ही दृश्य समेटते हुए कहती है कि पलाश के फुल गहरे लाल रंग के साथ तोते की चोंच के समान दिखाई पड़ते हैं । यही कारण है कि संस्कृत साहित्य में पलाश को किन्शुक भी कहा गया है । केवल साहित्य तक ही पलाश की महत्ता सिमटी हो , ऐसा नहीं है । आयुर्वेद के विशेषज्ञों ने पलाश में अनगिनत गुणों को तलाशा है । आयुर्वेदाचार्य कहते हैं पलाश के पांच अंग - तना , जड़ , फल , फूल और बीज दवाओं के निर्माण में अहम भूमिका का निर्वहन करते हैं । पलाश के पत्तों का उपयोग दोना और पत्तल बनाने के लिए सदियों से होता आ रहा है । अब प्लास्टिक की दुनिया ने इसके उपयोग को लगभग खत्म कर दिया है । पर्यावरण के लिए अत्यंत लाभकारी पलाश के पत्तों के दोना पत्तल आसानी से मिट्टी में घुलकर खाद का काम करते रहे हैं । वर्तमान में प्रचलन में आ रही प्लास्टिक की ऐसी ही सामग्री हमारे पर्यावरण के लिए अभिशाप बनती दिख रही है । हमारे बुजुर्ग बताते हैं कि आसानी से धरा की मिट्टी में घुल - मिलकर प्राकृतिक खाद बन जाने वाले पलाश के पत्तों की गुणवत्ता धार्मिक आयोजनों में इसी उद्देश्य से की जाती रही है । एक और आर्थिक उद्देश्य भी वनांचल में रहने वाले आदिवासी समूह के लिए आय का साधन बनता रहा है , वे दोना पत्तल का निर्माण कर अपनी रोजी - रोटी की तलाश करते रहे हैं ।

पलाश के नयनाभिराम दृश्य ने अपने श्रृंगार के चलते कवियों को काव्य का विषय बनाने के लिए विवश कर दिया । इसी के वशीभूत किसी कवि ने बड़े ही सुंदर शब्दों में रचा है ~

÷ भ्रमर गीत गुंजित सुमन , मलय पवन मकरंद ।
किन्शुक कलि रति काम के , रचती मादक छंद।
भ्रमर प्रत्यंचा पर धरे , जब पलाश के बाण ,
काम विमुग्धा सृष्टि ने , रचे प्रीति के गान । ÷

हमारे शास्त्रों ने पलाश को यज्ञीय वृक्ष कहा है । यह वृक्ष हिंदुओं के पवित्र माने हुए वृक्षों में से एक है । इसका उल्लेख वेदों तक में मिलता है । श्रोत्र सूत्रों में कई यज्ञ-पात्रों को इसी की लकड़ी से बनाने की विधि बताई गई है । हिंदू धर्म में ब्राह्मण पुत्रों के यज्ञोपवीत (जनेऊ संस्कार) संस्कार में ब्राह्मण कुमार (बटुक) को इसी की लकड़ी का दंड ग्रहण करना होता है । मै याद कर रहा हूं उस पारिवारिक परंपरा को जब नवरात्रि पर नवमी तिथि पर हमारे परिवार में कुल देवी को नौ प्रकार की भोजन सामग्री का भोग लगाया जाता है । मुझे याद है हम भाइयों में से कोई भी पलाश के पत्तों को पेड़ों से तोड़कर घर लाने के उपरांत उसे अच्छी तरह धोने के बाद उसका पत्तल तैयार किया जाता था । उसी पत्तल में मां अम्बे को भोग प्रदान कर परिवार के सभी सदस्य पत्तल में ही भोजन स्वरूप प्रसाद ग्रहण किया करते थे । अब बदली हुई परिस्थिति में पत्तल बनाने का नियम कहीं दूर गुम हो गया है । अपनी सुविधानुसार कांसे की थाली में परंपरा पूरी की जा रही है ! शास्त्र बताते हैं कि पलाश के पत्तों पर परोसा गया भोजन मां को वह अनुभूति कराता है जो स्वर्ण पात्र में भोजन पाने की हुआ करती है । हमने या हमारी पीढ़ी ने नारंगी और लाल रंगों के पलाश के फूलों को ही देखा है । इस फूल का एक और प्रकार प्रकृति में विद्यमान है , जो सफेद पलाश के रूप में है । सफेद पलाश बहुत ही दुर्लभ है । कहते हैं सफेद पलाश के फूलों के दर्शन मात्र से बाधाओं का अंत हो जाता है । यही कारण है कि पलाश को शास्त्रों में देवताओं का कोषाध्यक्ष कहा गया है । इसके पत्ते ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतिनिधित्व करते हैं !

डॉ. सूर्यकांत मिश्रा
राजनांदगांव (छत्तीसगढ़)
9425559291.

नगरनार पुलिस की बड़ी सफलता : 4 घंटे में मोटरसाइकिल चोरी के 2 आरोपी गिरफ्तार

जगदलपुर/नगरनार/मूक पत्रिका

थाना नगरनार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोटरसाइकिल चोरी के मामले में महज 4 घंटे के भीतर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी गई बाइक बरामद कर ली। आरोपियों ने पूछताछ में बाइक चोरी कर उसे बेचकर अपनी जरूरतें पूरी करने की बात स्वीकार की है।पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, प्रार्थी प्रहलाद मांझी, निवासी ग्राम काटागुड़ा, कोसागुमड़ा, जिला नवरंगपुर (उड़ीसा) ने 4 अप्रैल 2026 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह 3 अप्रैल की रात अपने भाई आसमन मांझी और कृष्णा मांझी के साथ लाल रंग की पैशन प्रो मोटरसाइकिल क्रमांक छ्त्र04छ्ज्ञ1099 से नगरनार मेला

घूमने आया था। बाइक को पंचायत भवन के पास खड़ी कर वे मेला और नाचा देखने चले गए। सुबह करीब 6 बजे लौटने पर बाइक वहां से गायब मिली।एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि उसने उक्त बाइक को सरोज नेताम चलाते हुए देखा था, जिसके पीछे एक अन्य युवक बैठा था। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक माहेश्वर नाग तथा नगर पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार के निर्देशन एवं थाना प्रभारी निरीक्षक संतोष सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने ग्राम चोकावाड़ा में दबिश देकर दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सरोज नेताम (26 वर्ष) पिता रामदास नेताम तथा महेन्द्र गोयल (22 वर्ष) पिता फगनु गोयल, दोनों निवासी ग्राम चोकावाड़ा, थाना नगरनार, जिला बस्तर के रूप में हुई है।पूछताछ में आरोपियों ने मास्टर चाबी से बाइक का लॉक खोलकर चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी गई मोटरसाइकिल, जिसकी कीमत लगभग 30 हजार रुपये, तथा मास्टर चाबी बरामद कर जब्त कर ली है। दोनों आरोपियों को 4 अप्रैल 2026 को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर माननीय न्यायालय जगदलपुर में पेश किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक संतोष सिंह, उप निरीक्षक सतीश यदुराज, सहायक उप निरीक्षक सतीश तिवारी तथा प्रधान आरक्षक रमेश पासवान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ग्राम उसरी में CFR एवं वन अधिकारों पर विशेष बैठक आयोजित, युवाओं ने जताई सक्रिय भागीदारी

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी में आज दिनांक 05 अप्रैल 2026, दिन रविवार को युवा प्रकोष्ठ बस्तर ब्लॉक एवं युवा प्रकोष्ठ उसरी के तत्वाधान में पंचायत भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में सामुदायिक वन संसाधन (छ्स्न्नक्र), वन अधिकार अधिनियम एवं अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई कार्यक्रम में बस्तर संभाग युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष श्री संतु मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे बैठक के दौरान वक्ताओं ने वन अधिकार कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों, ग्राम सभा की भूमिका तथा छ्स्न्नक्रके माध्यम से ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी साथ ही यह भी बताया गया कि किस प्रकार ग्रामीण अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होकर योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर युवाओं ने सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए अपने विचार रखे और क्षेत्र में वन अधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया कार्यक्रम में यह भी निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके। बैठक के अंत में सभी उपस्थित जनों ने एकजुट होकर क्षेत्र के विकास एवं अधिकारों की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया इस दौरान युवा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

पिकअप और बाइक सवार में ज़बरदस्त भिड़ंत ... बाइक चालक के मौके पर

लैलूंगा /मूक पत्रिका

लैलूंगा थाना क्षेत्र से बड़ी खबर सामने निकल कर आ रही है जिसमें सड़क हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई है प्राप्त जानकारी अनुसार लैलूंगा थाना के ग्राम फूलीकुंडा के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है जिसमें पिकअप और बाइक सवार के आमने-सामने भिड़ंत हो गई है जिसमें बाइक सवार की मौत हो गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार मृतक कि पहचान गोपी राम पैंकरा पिता शनि राम पैंकरा उम्र लगभग 26 वर्ष निवासी मोहनपुर थाना लैलूंगा बताया जा रहा है। लैलूंगा पुलिस ने घटना करीत पिकअप को जब्त कर लिया है। लैलूंगा पुलिस शव मर्ग कायम कर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए आगे कि विवेचना में जुट गई है

शादी समारोह में संदिग्ध युवक की उपस्थिति से सनसनी, विस्फोटक जैसी सामग्री मिलने की आशंका

ग्रामीणों की सतर्कता से टली बड़ी घटना

माकड़ी/मूक पत्रिका

माकड़ी ब्लॉक के कावरा ग्राम पंचायत में उपसरपंच के विवाह समारोह के दौरान एक संदिग्ध युवक के मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक के पास विस्फोटक जैसी संदिग्ध सामग्री होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, ग्रामीणों की सतर्कता और सूझबूझ के चलते एक संभावित बड़ी घटना टल गई।

जानकारी के अनुसार, विवाह समारोह में शामिल ग्रामीणों की नजर एक अज्ञात युवक पर पड़ी, जिसकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही थीं। संदेह गहराने पर जब उसकी जांच की गई तो उसके पास से संदिग्ध सामग्री दिखाई दी। इसके बाद ग्रामीणों ने बिना देर किए पुलिस को सूचना दी।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाना माकड़ी ले गई, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और संदिग्ध सामग्री की भी पड़ताल की जा रही है। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल देखा गया। ग्रामीणों ने प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में सख्त कदम उठाए जाने चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गौतम साहू ने कहा कि माकड़ी क्षेत्र हमेशा से शांतिपूर्ण रहा है और इस तरह की घटना पहली बार सामने आई है। उन्होंने ग्रामीणों की सतर्कता की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते कार्रवाई नहीं होती तो बड़ी घटना घट सकती थी। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच और दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।फिलहाल पुलिस द्वारा पूरे घटनाक्रम की बारीकी से जांच की जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

रायपुर की सड़कों पर दिखा कांकेर के शिवसैनिकों का जोश; रामनवमी पर निकाली भव्य ऐतिहासिक झांकी

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर / :-कांकेर मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) द्वारा एक विशाल और दिव्य शोभायात्रा का आयोजन किया गया। शनिवार को फूल चौक से प्रारंभ हुई इस ऐतिहासिक यात्रा में कांकेर जिले से सैकड़ों की संख्या में शिवसैनिक और रामभक्त सम्मिलित हुए, जिससे आयोजन की भव्यता और बढ़ गई। केसरिया रंग में रंगी राजधानी, जीवंत झांकियों ने मोहा मन प्रदेश प्रमुख डॉक्टर आनंद मल्होत्रा के सफल नेतृत्व में निकली यह शोभायात्रा रायपुर के प्रमुख मार्गों -फूल चौक, विठ्ठल मंदिर, जयस्तंभ चौक, शारदा चौक से होते हुए पुनः सभा स्थल पर संपन्न हुई। यात्रा के दौरान 'राम दरबार', 'लक्ष्मण-भरत-शत्रुघ्न' और 'हनुमान जी' की जीवंत झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। जगह-जगह स्थानीय नागरिकों और व्यापारिक संघों द्वारा पुष्प वर्षा कर यात्रा का आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शिवसेना प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे ने कहा, ÷यह शोभायात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सनातन संस्कृति की एकता और अटूट विश्वास का प्रतीक है। आज युवाओं की भारी भागीदारी यह दर्शाती है कि हमारा समाज अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है।÷

कांकेर जिले से प्रदेश सचिव महेश वासुदेव दुबे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रायपुर पहुँचे। इसमें प्रमुख रूप से संत पटेल, सुकचंद मंडावी, अनेश नुरुटी, मनकुवर उयके, धर्मेंद्र यादव, भोल पाल, बलराम ब्यापारी, चैनुराम शिवाना, नोहर मंडावी, बिजेश्वर चुरेंद्र, सुरेश नाग, भोला नेताम, बिदेसिंह शिवाना सहित सैकड़ों शिवसैनिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

वेल्डिंग आधारित आधुनिक तकनीकों से हुए रूबरू होने के लिए प्रशिक्षणार्थियों का औद्योगिक भ्रमण

कोरबा/मूक पत्रिका

भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद एवं वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त तत्वावधान में कोरबा में आयोजित 18 दिवसीय वेल्डिंग आधारित कौशल उद्यमिता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत आज सभी प्रशिक्षणार्थियों को औद्योगिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उन्हें उद्योगों में उपयोग होने वाली आधुनिक वेल्डिंग तकनीकों एवं उपकरणों से परिचित कराना था। भ्रमण के दौरान प्रतिभागियों ने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में वेल्डिंग कार्य की प्रक्रियाओं को नजदीक से देखा एवं विशेषज्ञों से संवाद कर तकनीकी बारीकियों को समझा। उन्हें विभिन्न प्रकार की वेल्डिंग मशीनों, सुरक्षा उपकरणों तथा उत्पादन प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई, जिससे उनके कौशल

में व्यावहारिक निखार आए। इसके साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को उद्यम स्थापना एवं संचालन से जुड़े आवश्यक पहलुओं पर भी जानकारी प्रदान की गई। उन्हें डिजिटल भुगतान प्रणाली, व्यवसाय प्रबंधन, लागत निर्धारण, विपणन रणनीतियों एवं ग्राहक प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बनकर सफल उद्यमी के रूप में स्थापित हो सकें। कार्यक्रम के आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के औद्योगिक भ्रमण से प्रतिभागियों का आत्मविश्वास बढ़ता है तथा वे वास्तविक कार्यस्थल की चुनौतियों एवं अवसरों को समझ पाते हैं। यह पहल उन्हें रोजगार के साथ-साथ स्वरोजगार के लिए भी प्रेरित करेगी। इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि भ्रमण से उन्हें न केवल तकनीकी ज्ञान प्राप्त हुआ, बल्कि व्यवसाय शुरू करने की दिशा में भी स्पष्ट मार्गदर्शन मिला है। कार्यक्रम के आगामी सत्रों में प्रतिभागियों को और भी उन्नत प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपने कौशल को बेहतर ढंग से विकसित कर सकें।

ग्राम उसरी में CFR एवं वन अधिकारों पर विशेष बैठक, युवाओं ने दिखाई सक्रिय भागीदारी

बस्तर/मूक पत्रिका

बस्तर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत उसरी में बीते रविवार को युवा प्रकोष्ठ बस्तर ब्लॉक एवं युवा प्रकोष्ठ उसरी के तत्वावधान में पंचायत भवन में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सामुदायिक वन संसाधन (छ्स्न्नक्र), वन अधिकार अधिनियम एवं अन्य जनहित से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यक्रम में बस्तर संभाग युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संतु मौर्य के नेतृत्व में बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वक्ताओं ने वन अधिकार कानून के तहत मिलने वाले अधिकारों, ग्राम सभा की भूमिका तथा छ्स्न्नक्रके माध्यम से ग्रामीणों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी। बैठक में यह भी बताया गया कि किस प्रकार ग्रामीण अपने अधिकारों

के प्रति जागरूक होकर शासन की योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं। इस अवसर पर युवाओं ने सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए अपने विचार रखे और क्षेत्र में वन अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया।बैठक में निर्णय लिया गया कि आने वाले समय में गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक ग्रामीणों को इसका लाभ मिल सके। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित जनों ने क्षेत्र के विकास एवं अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया। युवा प्रकोष्ठ के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के सहयोग से यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यवाही मात्र दिखावा अगली सुबह 6 बजे से और भी अधिक ट्रैक्टरों से पत्थर ले जाने का काम बदस्तूर जारी

अफसरों के नाक के नीचे हो रहा है अवैध उत्खनन, प्रशासन कुंभकर्णीय निद्रा मे लीन

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिले के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत कटगपाली और बोंदा में इन दिनों विकास की एक अनोखी परिभाषा देखने को मिल रही थी—जहां सड़कें भले अधूरी हों, लेकिन ट्रैक्टरों की रफ्तार किसी एक्सप्रेसवे से कम नहीं थी। फर्क बस इतना था कि ये ट्रैक्टर आम जनता की सेवा में नहीं, बल्कि धरती माता के सीने से डोलोमाइट पत्थर निकालकर ÷प्राइवेट विकास÷ को गति देने में लगे हुए थे।सूत्रों के अनुसार, इन खदानों से अवैध रूप से डोलोमाइट पत्थरों की निकासी का कार्य इतने व्यवस्थित ढंग से चल रहा था कि मानो कोई सरकारी योजना हो—बस टेंडर और फाइलों की औपचारिकता की कमी थी। ट्रैक्टर दिन-रात अपनी ÷ड्यूटी÷ निभाते हुए पत्थरों को खदान से क्रेशर तक पहुंचाने में जुटे थे। ऐसा लग रहा था मानो ये ट्रैक्टर नहीं, बल्कि ÷खनिज सेवा एक्सप्रेस÷ हो, जिसकी कोई टाइमिंग नहीं, कोई रोक-टोक नहीं। लेकिन कहते हैं ना, हर फिल्म में इंटरवल आता है—और यहां इंटरवल का जिम्मा संभाला सरिया तहसीलदार और थाना प्रभारी (ञ्जढ्ढ) ने इस बार कहानी में ट्विस्ट तब आया जब लगभग 10 से 12 ट्रैक्टरों को उनके ÷गंतव्य÷ यानी क्रेशर तक पहुंचने से पहले ही रोक लिया गया। दोनों विभागों की संयुक्त कार्रवाई ने इन ट्रैक्टरों की रफ्तार पर ऐसा ब्रेक लगाया कि सीधा रास्ता बदलकर थाने की ओर मुड़ गया। अब स्थिति यह है कि जो ट्रैक्टर कुछ देर पहले तक खुद को ÷खनन उद्योग के सुपरस्टार÷ समझ रहे थे, वे थाने में खड़े होकर अपनी किस्मत पर विचार कर रहे हैं। ड्राइवरों के चेहरे पर वही भाव है जो परीक्षा में नकल करते पकड़े गए छात्र का होता है—÷सर, पहली बार हुआ है!÷गांव के लोगों के बीच भी इस कार्रवाई को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म है। कुछ लोग इसे प्रशासन की सख्ती बता रहे हैं, तो कुछ इसे ÷एक दिन की बारिश÷ कहकर अगले दिन फिर वही धूप लौटने की आशंका जता रहे हैं। क्योंकि स्थानीय स्तर पर यह कोई पहली घटना नहीं है—अवैध खनन का यह खेल लंबे समय से ÷ओपन सीक्रेट÷ बना हुआ है।व्यंग्य यह भी है कि जब तक ट्रैक्टर सड़कों को तोड़ते हुए दौड़ते रहे, तब तक सब कुछ सामान्य था। लेकिन जैसे ही वे थाने पहुंचे, अचानक कानून और नियमों की किताबें खुल गईं। ऐसा प्रतीत होता है कि नियम भी मौके का इंतजार करते हैं—जब पकड़ हो, तभी लागू हों। अब बड़ा सवाल यही है कि आगे क्या कार्रवाई होती है? क्या यह सिर्फ एक औपचारिक ÷डेमो÷ है, जिसमें कुछ ट्रैक्टर पकड़े जाएंगे, कागजी कार्यवाही होगी और फिर सब कुछ पहले जैसा चलता रहेगा? या फिर यह वास्तव में अवैध खनन के खिलाफ कोई ठोस कदम साबित होगा? फिलहाल तो ट्रैक्टरों की ÷तेज सेवा÷ पर विराम लग गया है और प्रशासन ने अपनी मौजूदगी दर्ज करा दी है। लेकिन देखना यह होगा कि यह कार्रवाई एक स्थायी बदलाव लाती है या फिर कुछ दिनों बाद वही ट्रैक्टर फिर से ÷डोलोमाइट डिलीवरी÷ के मिशन पर निकल पड़ेंगे।क्योंकि इस क्षेत्र में एक कहावत अब आम हो चुकी है÷खनन बंद नहीं होता, बस थोड़ी देर के लिए 'आराम' पर चला जाता है।÷अब जनता की निगाहें प्रशासन पर टिकी हैं—क्या यह सख्ती जारी रहेगी या फिर यह खबर भी बाकी खबरों की तरह कुछ दिनों में फाइलों में दबकर रह जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

व्हाइट हाउस बॉलरूम विवाद: ट्रंप के प्रोजेक्ट को एनसीपीसी की मंजूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्हाइट हाउस में नए बॉलरूम के निर्माण

को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद के बीच नेशनल कैपिटल प्लानिंग कमीशन (एनसीपीसी) ने गुरुवार को इसे अंतिम मंजूरी दे दी। यह प्रोजेक्ट व्हाइट हाउस में 70 साल में सबसे बड़ा संरचनात्मक बदलाव माना जा रहा है। यह मंजूरी ऐसे समय में मिली है, जब बीते दिनों एक फेडरल जज रिचर्ड लियोन ने निर्माण कार्य रोकने का आदेश दिया था। जज ने कहा था कि जब तक कांग्रेस इसकी इजाजत नहीं देती, तब तक निर्माण नहीं होगा। इसके बाद से ट्रंप का यह प्रोजेक्ट डिजाइन, सुरक्षा और ऐतिहासिक संरक्षण के सवालों के बीच देश में बहस का केंद्र बना हुआ है। कारण है कि इस नए निर्माण में ट्रंप ने बॉलरूम का आकार बड़ा कर दिया है और इसकी कीमत अब लगभग 400 मिलियन डॉलर हो गई है। उन्होंने व्हाइट हाउस के दक्षिण तरफ की बड़ी सीढ़ी हटा दी और पश्चिम तरफ एक खुली बरामदा जोड़ दी। ट्रंप प्रशासन के अनुसार इस बदलाव का उद्देश्य था कि आमंत्रित अतिथि अब टेंट की बजाय स्थायी बॉलरूम में समारोह कर सकें। अब समझिए क्या है कानूनी विवाद? बता दें कि इस निर्माण पर रोक लगाते हुए जज लियोन ने कहा कि राष्ट्रपति व्हाइट हाउस के मालिक नहीं हैं, बल्कि उसके संरक्षक हैं। नेशनल ट्रस्ट फॉर हिस्टोरिक प्रिजर्वेशन ने अक्तूबर 2025 में पूर्व ईस्ट विंग को तोड़ने के बाद ट्रंप के खिलाफ मुकदमा दायर किया था। जज ने ट्रंप के निर्माण को अस्थायी रूप से रोकने का आदेश दिया, लेकिन सुरक्षा संबंधित काम जारी रहने की अनुमति दी। ट्रंप ने निर्माण शुरू करने से पहले एनसीपीसी और यूएस कमीशन ऑफ फाइन आर्ट्स से पूरी प्रक्रिया नहीं अपनाई। इस प्रोजेक्ट के लिए धन अमीर व्यक्तियों और कंपनियों से इकट्ठा किया जा रहा है, जबकि कुछ सुरक्षा और बंकर संबंधी खर्च जनता के पैसे से हो रहे हैं। कांग्रेस के सदस्यों ने अभी तक टिप्पणी नहीं की, क्योंकि वे स्प्रिंग ब्रेक पर हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप का यह प्रोजेक्ट ट्रंप की उत्तराधिकार नीति का हिस्सा माना जा सकता है। व्हाइट हाउस में अपने नाम की छाप छोड़ने की कोशिश। लेकिन कानूनी जटिलताएं और जनता/संगठनों की आपत्तियां इस परियोजना को चुनौती दे रही हैं। ऐसे में जज ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रपति निजी मालिक की तरह निर्णय नहीं ले सकते, जिससे ट्रंप को कानून और नियामक प्रक्रिया का पालन करना पड़ेगा। कुल मिलाकर यह माना जा रहा है कि व्हाइट हाउस का यह बॉलरूम सिर्फ निर्माण का मामला नहीं है, यह सत्ताधिकार, पारदर्शिता और ऐतिहासिक संरक्षण के बीच टकराव का प्रतीक भी बन गया है।

अमेरिका में विदेशी दवाओं पर अब लग सकता है 100% तक टैरिफ

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को एक नया कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत विदेशी दवाओं पर 100 प्रतिशत तक की आयात दर (टैरिफ) लगाने का रास्ता खुल गया है। यह आदेश उन दवाओं पर लागू होगा जिनके लिए अमेरिकी कंपनियों के साथ विशेष कीमत समझौता नहीं होगा या जिनकी उत्पादन इकाइयां अमेरिका में नहीं बनाई जा रही हैं। जो कंपनियां अमेरिका में उत्पादन सुविधाएं बना रही हैं और कीमत समझौता कर चुकी हैं, उनके लिए कोई टैरिफ नहीं लगेगा। दूसरी ओर जिन कंपनियों ने समझौता नहीं किया लेकिन अमेरिका में उत्पादन कर रही हैं, उन पर 20 प्रतिशत टैरिफ लगेगा, जो चार साल में बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा। प्रशासन ने कंपनियों को 120 से 180 दिनों तक बातचीत करने का समय दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है क्योंकि विदेशी दवाओं और उनकी सामग्री पर अमेरिका निर्भर है। बता दें कि इस आदेश पर आलोचना भी हो रही है। फार्मास्युटिकल ट्रेड समूह के सीईओ स्टीफन जे उब्ल ने चेतावनी दी कि इससे दवाइयों की कीमत बढ़ सकती है और अमेरिकी निवेश पर असर पड़ सकता है।

आर्टेमिस-2 मिशन ने पार की पृथ्वी की कक्षा, 54 साल बाद चंद्रमा की ओर बढ़ा मानव दल

फ्लोरिडा, एजेंसी। नासा के आर्टेमिस-2 मिशन ने अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। इस मिशन का मानव दल सफलतापूर्वक पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर अब चंद्रमा की ओर अग्रसर हो चुका है। यह कदम मानवता की गहरे अंतरिक्ष में वापसी की दिशा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव माना जा रहा है। नासा के अनुसार, ओरियन अंतरिक्ष यान ने एक अहम ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। इस प्रक्रिया के तहत यान के मुख्य इंजन को लगभग छह मिनट तक चलाया गया, जिससे यह पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से बाहर निकलकर चंद्रमा की ओर निर्धारित कक्षा में प्रवेश कर गया। इस दौरान करीब 6,000 पाउंड का थ्रस्ट उत्पन्न हुआ, जिसने यान को सटीक दिशा में आगे बढ़ाया। मिशन प्रबंधन टीम ने इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए सर्वसम्मति से 'गो' सिग्नल दिया

था। यह बर्न कुल 5 मिनट 49 सेकंड तक चला। इसके सफलतापूर्वक पूरा होने के साथ ही अंतरिक्ष यात्री 1972 के अपोलो 17 के बाद पहली बार चंद्रमा के चारों ओर यात्रा करने के लिए आधिकारिक रूप से रवाना हो गए हैं। नासा के प्रमुख जेरेड इसाकमैन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस उपलब्धि की पुष्टि करते हुए कहा कि ट्रांसलूनर इंजेक्शन बर्न सफलतापूर्वक पूरा हो गया है और आर्टेमिस-2 का दल अब चंद्रमा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने इसे एजेंसी के लिए एक निर्णायक क्षण बताते हुए कहा कि अमेरिका एक बार फिर अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा भेजने के मिशन में सक्रिय हो गया है। इस मिशन में क्रिस्टीना कोच, विक्टर ग्लोवर, रीड वाइसमैन के साथ कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी के जेरेमी हैनसेन शामिल हैं। अंतरिक्ष में अपने पहले पूर्ण दिन के दौरान दल ने नियमित गतिविधियों के तहत इंजन बर्न की तैयारी और माइक्रोग्रैविटी में फिटनेस बनाए रखने के लिए व्यायाम सत्र पूरे किए। मिशन कंट्रोल ने दिन की शुरुआत ग्रीन लाइट गीत बजाकर की, जिससे महत्वपूर्ण ऑपरेशनों के लिए सकारात्मक माहौल बनाया गया। ओरियन यान का सर्विस मॉड्यूल इंजन, जो उच्च थ्रस्ट देने में सक्षम है, ने चंद्रमा की दिशा में सटीक गति प्रदान की।

यूनएए में ड्रैगन का कड़ा विरोध, अमेरिका से कहा- हमले की धमकी के बदले शांति-कूटनीति की राह चुनें

वॉशिंगटन, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र में चीन के स्थायी प्रतिनिधि फू कोंग ने पश्चिम एशिया में किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय संस्था को संबोधित करते हुए कहा कि सदस्य देशों को सैन्य कार्रवाई की अनुमति देना गलत होगा। उनके अनुसार, ऐसी अनुमति देना बल के अवैध और अंधाधुंध इस्तेमाल को कानूनी मान्यता

देने जैसा है। चीन का यह औपचारिक विरोध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया बयानों के जवाब में आया है। ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सख्त लहजे का इस्तेमाल किया था। चाइना डेली के अनुसार, चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस स्थिति पर स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने कहा कि सैन्य तरीके बुनियादी तौर पर किसी भी मुद्दे को हल नहीं कर सकते। माओ निंग ने जोर देकर कहा कि संघर्ष को और बढ़ाना किसी भी पक्ष के हित में नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चेतावनी दी है कि अमेरिका अगले दो से तीन हफ्तों के भीतर ईरान पर बहुत जोरदार हमला करने जा रहा है। इस बयान ने पश्चिम एशिया में तनाव और बढ़ा दिया है। ट्रंप का कहना है कि वाशिंगटन का यह सैन्य अभियान ईरान के खतरे को खत्म करने के करीब है। अपने संबोधन में ट्रंप ने कहा कि वे ईरान को वापस वापस भेज देंगे, क्योंकि वह वहीं रहने के लायक है।

ईरान में अब तक 600 से अधिक स्कूल तबाह; तेल-अवीव पर जोरदार हमला किया

तेहरान, एजेंसी। ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स ने दावा किया है कि उसने तेल अवीव और एल्लात में इस्राइली सेना और सैन्य औद्योगिक कंपनियों पर ताजा हमले करके भारी नुकसान पहुंचाया है। इन हवाई हमलों में इस्राइली ठिकानों और उपकरणों को नष्ट किया गया। इस्राइल की तरफ से अब तक इस दावे की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इलाके में सुरक्षा अलर्ट और एंटी-मिसाइल सिस्टम सक्रिय हैं। यह हमले ईरान और इस्राइली के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुए हैं। इस्राइली सेना ने कहा है कि ईरान की ओर से इस्राइल की तरफ मिसाइलों की नई लहर दागी गई है और देश के कई क्षेत्रों में हवाई सुरक्षा अलर्ट जारी किया गया है। इस्राइली सैनिकों ने बयान में बताया कि उनकी एयर डिफेंस सिस्टम इन मिसाइलों को पहचानकर रोकने का प्रयास कर रही है। इस्राइल के होम फ्रंट कमांड ने जेरूसलम और तेल अवीव क्षेत्रों में चेतावनी सायरन भी बजाई हैं।

अचानक रिटायर हुए अमेरिकी सेना प्रमुख

अमेरिका की सेना में बड़ा बदलाव सामने आया है। पेंटागन ने पुष्टि की है कि अमेरिकी सेना के चीफ ऑफ स्टाफ जनरल रैंडी जॉर्ज ने अपने पद से तुरंत प्रभाव से रिटायरमेंट ले लिया है। पेंटागन के प्रवक्ता ने इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि जनरल जॉर्ज, जो सेना के 41वें चीफ ऑफ स्टाफ थे, अब अपने पद से हट चुके हैं। हालांकि, उनके अचानक रिटायर होने के पीछे की वजहों के बारे में अभी कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इस फैसले के बाद अब अमेरिकी सेना में नए नेतृत्व को लेकर चर्चा तेज हो गई है।

ईरान ने दावा किया है कि 28 फरवरी से जारी हमलों में देश के शिक्षा क्षेत्र को भारी

नुकसान हुआ है। ईरान के विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका और इस्राइल के हमलों में अब तक 600 से ज्यादा स्कूल और शैक्षणिक संस्थान प्रभावित हुए हैं। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इन हमलों से स्कूलों की इमारतें नष्ट या क्षतिग्रस्त हुई हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई पर गंभीर असर पड़ा है। साथ ही कई जगह छात्रों और शिक्षकों के हताहत होने की भी खबरें सामने आई हैं। इस घटनाक्रम के बाद ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस मुद्दे पर ध्यान देने और कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, लगातार जारी हमलों के कारण देश में शिक्षा व्यवस्था भी बुरी तरह प्रभावित हो रही है।

ट्रंप के बेटों की कंपनी ड्रोन बेचकर युद्ध से लाभ उठाने की कोशिश में: अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे एरिक और डोनाल्ड जूनियर के निवेश वाली फ्लोरिडा की ड्रोन कंपनी पावरस खाड़ी देशों में अपने ड्रोन बेचने की कोशिश कर रही है। ये देश ईरान के हमलों से प्रभावित हैं और अमेरिकी सेना पर निर्भर हैं। कंपनी ने इन देशों में ड्रोन डेमो के जरिए अपने रक्षात्मक ड्रोन दिखाए हैं, जो ईरानी हमलों से सुरक्षा दे सकते हैं। आलोचक इसे नैतिकता के लिहाज से विवादित बता रहे हैं क्योंकि ट्रंप के बेटे युद्ध से लाभ कमा सकते हैं, जिसे उनके पिता ने कांग्रेस की मंजूरी के बिना शुरू किया था। कंपनी का कहना है कि उनका उद्देश्य अमेरिकी ड्रोन तकनीक को चीन और रूस से आगे रखना है और यह राजनीति से ऊपर है। ईरान की प्रसिद्ध मानवाधिकार वकील नसरीन सुतौदेह को तेहरान में उनके घर से इरानी खुफिया एजेंसियों ने गिरफ्तार कर लिया। 64 वर्षीय सुतौदेह सक्रिय लोगों, विपक्षी नेताओं और हिजाब हटाने वाली महिलाओं के केस लड़ती रही हैं। वह पहले भी कई बार जेल जा चुकी हैं और वर्तमान में स्वास्थ्य कारणों से जमानत पर बाहर थीं। उनकी बेटी ने कहा कि परिवार ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। सुतौदेह को दिल की बीमारी है, इसलिए उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई जा रही है। यह गिरफ्तारी उस समय हुई है जब ईरानी सरकार ने युद्ध और विरोध प्रदर्शनों के बीच विरोधियों और राजनीतिक एक्टिविस्ट्स पर कड़ा शिकंजा कसा है। साथ ही खबर है कि जेल में बंद नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगेस मोहम्मदी भी दिल की बीमारी से पीड़ित हैं और हाल ही में उन्हें दिल का दौरा पड़ा।

जहाजों की आवाजाही पर क्या बन रही योजना

होर्मुज में ईरान-ओमान के साथ मिलकर करेगा खेल

दुबई, एजेंसी। ईरान ने गुरुवार को एक बड़ा दावा किया है। ईरान के राजनयिक काजेम गरीबाबादी ने बताया कि उनका देश ओमान के साथ मिलकर होर्मुज जलडमरूमध्य की निगरानी के लिए एक प्रस्ताव तैयार कर रहा है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी 'इरना' ने इस खबर की जानकारी दी है। गरीबाबादी के अनुसार, इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य जहाजों के आने-जाने के रास्ते को आसान और सुरक्षित बनाना है। इसके साथ ही, इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों को बेहतर सेवाएं देना भी इस योजना का हिस्सा है। होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी का एक बहुत ही संकरा और व्यापार के लिए महत्वपूर्ण रास्ता है। पिछले कुछ समय में इस समुद्री क्षेत्र में जहाजों पर कई हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे ईरान का हाथ होने की बात कही जाती रही है। इसके अलावा ईरान पर आरोप भी लगे है कि ईरान इस संकरे रास्ते से गुजरने के बदले जहाजों से 20 लाख डॉलर तक की मांग करता है। जिसकी वजह से इस समुद्री मार्ग पर जहाजों की आवाजाही में काफी मुश्किलें पैदा हो गई हैं। फिलहाल यह साफ नहीं है कि ईरान के इस नए प्रस्ताव का असल में क्या मतलब होगा। ओमान ने अभी तक इस दावे को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है और न ही इसकी पुष्टि की है। भौगोलिक रूप से यह समुद्री रास्ता ईरान और ओमान की सीमाओं के भीतर आता है। इसके बावजूद इसे एक अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग माना जाता है। अंतरराष्ट्रीय नियमों के मुताबिक, यहां से जहाजों को बिना किसी रुकावट के गुजरने की आजादी मिलनी चाहिए।

ईरानी राजनयिक गरीबाबादी ने अपने बयान में यह भी कहा कि जब भी कोई आक्रामक कार्रवाई होती है, तो जहाजों के रास्ते में गंभीर समस्याएं आती हैं। उन्होंने आगे कहा, हम इस समय युद्ध की स्थिति में हैं।

चीन के नए परमाणु केंद्र में बनीं इमारतें: गुप्त योजनाओं की आशंका, तस्वीरों में दिखी यूरेनियम संवर्धन की मशीनें

बीजिंग, एजेंसी। एक तरफ दुनिया में कई विकसित देश अपना रक्षा बजट बढ़ाकर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बना रहे हैं वहीं चीन लगातार अपने परमाणु हथियार सुविधाएं तेज करने में जुटा है। उसने भारत से करीब 1,400 किमी दूर सिचुआन प्रांत में कुछ गावों को खाली करवाकर एक बड़ी परमाणु सुविधा बनाई है। फरवरी के अंत में उपग्रह चित्रों से इसका खुलासा होने के बाद अब जानकारी मिली है कि यहां पर चीन ने कुछ नई इमारतों का निर्माण भी पूरा कर लिया है। ताजा उपग्रह चित्रों से पता चला है कि चीन ने अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं का बड़े पैमाने पर विस्तार करने की गुप्त योजनाओं को अमल में लाना शुरू कर दिया है। यहां जिन इमारतों का निर्माण हो चुका है उनमें रेडिएशन मॉनिटर व धमाका रोधी दरवाजे लगे होने तथा यूरेनियम और प्लूटोनियम के लिए मशीनें लगने की आशंकाएं भी जताई जा रही हैं। उपग्रह तस्वीरों में साइट पर दिख रहे बड़े बड़े ट्रालों में रखीं मशीनों की मौजूदगी से इनके यूरेनियम या प्लूटोनियम होने की आशंका जताई जा रही है। चीन ने इस जगह को साइट-906 नाम दिया है। फरवरी मध्य और मार्च अंत में दिखे उपग्रह चित्र बताते हैं कि इस साइट पर काम उम्मीद से अधिक तेजी से हो रहा है। इसे 3 अन्य एटमी ठिकानों से जोड़ा गया है। कुछ ग्रामीणों ने प्रशासनिक अधिकारियों को पत्र लिखकर पूछा था कि सरकार उनकी जमीन क्यों जब्त कर रही है? इस पर अधिकारियों ने इसे सरकार की गुप्त योजना बताया था। लेकिन चार साल बाद जो उपग्रह चित्र मिले हैं वह बताते हैं कि चीन ने यहां गांव खाली करवाकर बड़ी ही तेजी से परमाणु सुविधाओं के विकास का निर्माण ढांचा तैयार किया है। चीन का सिचुआन प्रांत अपनी भौगोलिक विविधता के लिए जाना जाता है। पूर्व में उपजाऊ, घनी आबादी वाला सिचुआन बेसिन और पश्चिम में ऊबड़-खाबड़ तिब्बती पठार तथा हेंगडुआन पर्वत मौजूद है। यहां यांग्जी नदी और उसकी सहायक मिन, तुओ और जियालिंग व टोंगजियांग नदियों के किनारे पर यह सुविधा विकसित की गई है। यहां किसी की भी पहुंच आसान नहीं है।

पाकिस्तान में त्राहिमाम: पेट्रोल 458, डीजल 500 के पार; दाम देख आवाम के छूटे पसीने, महंगाई तोड़ रही रिकॉर्ड

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच छिड़ी जंग के साथ वैश्विक तेल कीमतों में उछाल पाकिस्तान की जनता पर कहर बनकर टूट रहे हैं। दरअसल, पाकिस्तान की सरकार ने पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि की घोषणा की है। पाकिस्तान में पेट्रोल की कीमत में 43 प्रतिशत और हाई-स्पीड डीजल में 55 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की गई है, जो तुरंत लागू हो गई है। नई दरों के तहत पेट्रोल की कीमत 137.23 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 458.41 रुपये हो गई है, जबकि डीजल की कीमत 184.49 रुपये प्रति लीटर बढ़कर 520.35 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इसके अलावा केरोसिन की कीमत में भी 34.08 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई है। सरकार ने डीजल की कीमतों के असर को सीमित करने के लिए पेट्रोलियम लेवी में बदलाव किया है। पेट्रोल पर लेवी बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है, जबकि डीजल पर इसे शून्य कर दिया गया है।

पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने एक न्यूज चैनल पर कहा कि ये कठिन लेकिन जिम्मेदार फैसले व्यापक स्तर पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सैन्य नेतृत्व और प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ विचार-विमर्श के बाद लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस फैसले का मकसद जरूरतमंद वर्गों तक ही सब्सिडी सीमित रखना और आर्थिक स्थिरता बनाए रखना है।

इन लोगों को मिलेगी सब्सिडी सरकार ने राहत उपायों के तहत दोपहिया वाहन चालकों को तीन महीने तक प्रति माह 20 लीटर तक 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी देने की घोषणा की है। छोटे किसानों को फसल के समय एक बार के लिए 1,500 रुपये प्रति एकड़ की सहायता मिलेगी। डीजल आधारित माल और यात्री परिवहन के लिए भी 100 रुपये प्रति लीटर की सब्सिडी दी जाएगी, जिसकी हर महीने समीक्षा

होगी। खाद्य आपूर्ति में लगे ट्रकों को 70,000 रुपये प्रति माह, बड़े ट्रकों को 80,000 रुपये और इंटर-सिटी सार्वजनिक परिवहन वाहनों को एक लाख रुपये प्रति माह की सहायता दी जाएगी। इसके अलावा पाकिस्तान रेलवे को भी सब्सिडी प्रदान की जाएगी, ताकि किराया नियंत्रित रह सके। ऊर्जा बचत के तहत सरकार ने बाजारों को जल्दी बंद करने का निर्णय लिया है, जिससे लगभग 1,200 मेगावाट बिजली की बचत होने की उम्मीद है।

तेहरान के सबसे ऊंचे पुल पर इस्राइल ने बरसाए बम? हमले में अब तक आठ की मौत, 95 घायल

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका-इस्राइल के बीच छिड़ी जंग को एक महीने से ज्यादा हो चुके हैं। शांति वार्ता के लिए की जा रहीं कोशिशों के बावजूद दोनों ओर से हमले जारी हैं। इस बीच अमेरिका और इस्राइल ने गुरुवार को ईरान के सबसे ऊंचे पुल यानी बी1 ब्रिज पर हवाई हमला किया। इस हमले में कम से कम आठ नागरिकों की मौत हो गई है, जबकि 95 अन्य घायल हो गए हैं।

ईरानी मीडिया प्रेस टीवी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सैन्य कार्रवाई का मुख्य निशाना करज का बी1 ब्रिज था। इस हमले के चलते आसपास के इलाकों में भारी संख्या में लोगों के हताहत होने की आशंका जताई गई है। बताया जा रहा है कि मौतों का आंकड़ा अभी और बढ़ सकता है।

हमले में मारे गए लोगों में ईरानी यात्री और स्थानीय गांव के निवासी शामिल बताए जा रहे हैं। ये लोग हमले के समय पुल के पास मौजूद थे। प्रेस टीवी के अनुसार, मरने वालों में वे परिवार भी शामिल हैं जो प्रकृति दिवस के मौके पर उस क्षेत्र में थे, जब लोग बड़ी संख्या में बाहर निकले हुए थे।

अमेरिका ने पुल को क्यों बनाया निशाना?: एक दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर तेहरान जल्द ही समझौता नहीं करता है, तो उसके खिलाफ भीषण हमले किए जाएंगे। इन हमलों में उसके ऊर्जा ठिकानों और पानी के संयंत्रों को निशाना बनाया जाएगा। वहीं, बी1 पुल पर हुए हमले को इसकी बानगी माना जा रहा है। दरअसल, इस पुल पर हमले से तेहरान का अपने पड़ोसी शहर करज से पूरी तरह संपर्क टूट गया है। माना जा रहा है कि अमेरिका ईरान को दिखाना चाहता है कि वह उसके किसी भी ढांचे को कभी भी निशाना बना सकता है।

आईआरजीसी का दावा- होर्मुज में गिराया फाइटर जेट; ईरान के दावे पर अमेरिकी सेंट्रल कमांड का जवाब क्या?

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने केशम द्वीप के ऊपर एक 'दुश्मन' लड़ाकू विमान को गिराने का दावा किया। ईरान के इस कथित दावे को अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने खारिज कर दिया है। सेंट्रल कमांड ने इन आरोपों को 'झूठा' बताया है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने एक्स पर जारी एक बयान में होर्मुज जलडमरूमध्य में हुई इस घटना के बारे में ईरानी दावों को खारिज किया है। सेंट्रल कमांड ने साफ किया कि सभी अमेरिकी लड़ाकू विमान सुरक्षित हैं। सेंट्रल कमांड ने तेहरान से लगातार आने वाली ऐसी रिपोर्टों पर टिप्पणी

करते हुए कहा कि ईरान के आईआरजीसी ने कम से कम आधा दर्जन बार यही झूठा दावा किया है। अमेरिकी सेना की ओर से यह खंडन आईआरजीसी द्वारा किए गए उन दावों के बाद आया, जिसमें ईरानी अधिकारियों ने कहा था कि अमेरिकी लड़ाकू विमान को निशाना बनाए जाने के बाद वह हेंगाम द्वीप और केशम द्वीप के बीच खाड़ी में गिर दिया गया। अल जजीरा ने शुक्रवार को ईरानी राज्य मीडिया आउटलेट्स का हवाला देते हुए यह रिपोर्ट दी थी। इन सैन्य दावों के बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने घोषणा की है कि अमेरिका द्वारा गैर-सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने वाली हालिया कार्रवाईयां इस्लामी गणराज्य के रणनीतिक रुख को नहीं बदल पाएंगी। विदेश मंत्री अराघची ने कहा कि जरूरी सार्वजनिक कार्यों को निशाना बनाने से इच्छित राजनयिक या सैन्य दबाव नहीं बनेगा। उन्होंने कहा, ''अधूरे पुलों सहित नागरिक संरचनाओं पर हमला करने से ईरानी आत्मसमर्पण करने के लिए मजबूर नहीं होंगे।'' अराघची ने आगे तर्क दिया कि इन हमलों की प्रकृति विरोधियों की ताकत के बजाय उनकी आंतरिक स्थिति को दर्शाती है।

लगातार दूसरे मैच में चमके समीर रिजवी ने 90 रन बनाए

दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को छह विकेट से हराया

अहमदाबाद। आईपीएल के 8वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने 5 बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हरा दिया। यह डीसी की लगातार दूसरी जीत है। शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में दिल्ली ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। मुंबई ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। 163 रन का टारगेट दिल्ली ने 4 विकेट खोकर 18.1 ओवर में हासिल कर लिया।

दिल्ली के लिए इम्पैक्ट प्लेयर समीर रिजवी ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 51 बॉल पर 90 रन बनाए। उनकी सीजन में यह लगातार दूसरी और आईपीएल की लगातार फिफ्टी है। उनके अलावा पाथुम निसांका ने 44 और डेविड मिलर ने नाबाद 21 रन का योगदान दिया। मुंबई के लिए दीपक चाहर, कॉर्बिन बॉश और मिचेल सैंटनर को 1-1 विकेट मिला। वहीं, नीतीश राणा को जसप्रीत बुमराह ने रन आउट किया। इससे पहले, एमआई के लिए स्टैंड-इन कप्तान सूर्यकुमार यादव ने अर्धशतक (51 रन) लगाया। उनके अलावा रोहित शर्मा ने 35, नमन धीर ने 28 और मिचेल सैंटनर ने नाबाद 18 रन बनाए। डीसी के लिए मुकेश कुमार ने 2 विकेट लिए। अक्षर पटेल, लुंगी एनगिडी, विपराज निगम और टी नटराजन को 1-1 विकेट मिला। मुंबई इंडियंस के रेगुलर कप्तान हार्दिक पंड्या आज के मैच में नहीं खेले। टॉस के समय सूर्यकुमार यादव ने बताया कि हार्दिक पूरी तरह फिट नहीं हैं, इसलिए आज वे टीम की कमान संभाल रहे हैं। दिन का दूसरा मुकाबला गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जा रहा है। नीतीश राणा रन आउट मुंबई के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को शुरुआती झटके लगे हैं। राहुल चाहर ने पहले केएल राहुल को आउट किया और अब नीतीश राणा रन आउट होकर पवेलियन लौटे। नीतीश खाता भी नहीं खोल सके।

निसांका ने संभाली पारी

शुरुआती झटके लगने के बाद पाथुम निसांका ने दिल्ली कैपिटल्स की पारी को संभाल लिया है। दिल्ली के लिए समीर रिजवी इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं। पावरप्ले के बाद दिल्ली का स्कोर दो विकेट पर 42 रन है।

रिजवी शतक से चूके

इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे समीर रिजवी शतक लगाने से चूक गए हैं। कॉर्बिन बॉश ने रिजवी को आउट किया जो 51 गेंदों पर सात चौकों और सात छक्कों की मदद से 90 रन बनाकर आउट हुए। रिजवी और मिलर के बीच चौथे विकेट के लिए 78 रनों की साझेदारी हुई।

मिलर-रिजवी की साझेदारी

समीर रिजवी ने शानदार बल्लेबाजी जारी रखी है और डेविड मिलर के साथ चौथे विकेट के लिए अर्धशतकीय साझेदारी पूरी कर ली है। समीर इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर उतरे हैं और अपना प्रभाव छोड़ने में सफल रहे हैं।

रिजवी का पचासा

दिल्ली कैपिटल्स के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने उतरे समीर रिजवी ने लगातार दूसरे मैच में अर्धशतक लगाया है। रिजवी ने 31 गेंदों पर पचासा पूरा किया। रिजवी ने इससे पहले लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ नाबाद 70 रन की पारी खेलकर टीम को जीत दिलाई थी।

निसांका अर्धशतक से चूके

मिचेल सैंटनर ने पाथुम निसांका को आउट कर दिल्ली कैपिटल्स को तीसरा झटका दिया है। निसांका शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन 30 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर आउट हो गए। निसांका और समीर रिजवी के बीच तीसरे विकेट के लिए 66 रनों की साझेदारी हुई।

ब्रीफ न्यूज

12 लाख से 21 करोड़ तक का सफर, आईपीएल में विराट कोहली बने सबसे महंगे सितारों में शामिल

नई दिल्ली। विराट कोहली का नाम आईपीएल के सबसे सफल और भरोसेमंद खिलाड़ियों में शुमार किया जाता है। खास बात यह है कि कोहली उन गिने-चुने खिलाड़ियों में शामिल हैं, जिन्होंने 2008 में लीग की शुरुआत से लेकर अब तक अपनी फ्रेंचाइजी रॉयल चेलेंजर बेंगलुरु का साथ नहीं छोड़ा। उनका यह सफर न केवल प्रदर्शन के लिहाज से, बल्कि कमाई के मामले में भी बेहद शानदार रहा है। साल 2008 में जब कोहली को अंडर-19 टीम से स्काउट कर आरसीबी में शामिल किया गया था, तब उनकी सैलरी महज 12 लाख रुपये थी। शुरुआती तीन सीजन तक वह इसी रकम पर टीम के लिए खेलते रहे। हालांकि, उनकी प्रतिभा और निरंतर प्रदर्शन को देखते हुए फ्रेंचाइजी को जल्द ही यह एहसास हो गया कि वह लंबे समय तक टीम की रीढ़ बन सकते हैं।

यही वजह रही कि 2013 में उन्हें टीम की कमान सौंपी गई और उन्होंने 2021 तक कप्तानी करते हुए आरसीबी को नई पहचान दिलाई। इस दौरान उनकी सैलरी में भी लगातार इजाफा होता गया। अगर उनके पहले सीजन की सैलरी की तुलना मौजूदा कमाई से की जाए, तो यह करीब 175 गुना तक बढ़ चुकी है। आईपीएल 2026 में विराट कोहली की सैलरी 21 करोड़ रुपये है, जो उन्हें लीग के सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों में शामिल करती है। वह न सिर्फ टीम के प्रमुख बल्लेबाज हैं, बल्कि ब्रांड वैल्यू के लिहाज से भी आरसीबी के सबसे बड़े चेहरे बने हुए हैं।

नीलामी में गेंदबाजों को मिस करना पड़ा भारी, फ्लेमिंग

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स को इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में लगातार दूसरी हार के बाद टीम की रणनीति पर सवाल उठने लगे हैं। पंजाब किंग्स के खिलाफ 210 रन जैसा बड़ा स्कोर खड़ा करने के बावजूद चेन्नई इसे बचा नहीं सकी। इस हार के बाद टीम के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने माना कि नीलामी के दौरान कुछ अहम गेंदबाजों को टीम में शामिल न कर पाना अब भारी पड़ रहा है।

फ्लेमिंग ने कहा कि टीम मैनेजमेंट ने ऑक्शन के दौरान कई गेंदबाजों पर गंभीरता से विचार किया था, लेकिन परिस्थितियों के चलते वे उन्हें खरीद नहीं सके। उन्होंने स्वीकार किया कि जिन खिलाड़ियों को उस समय नजरअंदाज किया गया, वे अब शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उनके मुताबिक, टीम ने हर विकल्प पर चर्चा की थी, लेकिन अंत में कुछ खिलाड़ियों को मिस कर दिया गया।

चेन्नई की हार ने एक बार फिर गेंदबाजी विभाग की कमजोरियों को उजागर किया है। पंजाब के खिलाफ मैच में बल्लेबाजों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 209 रन बनाए, लेकिन गेंदबाज विपक्षी टीम पर दबाव बनाने में नाकाम रहे। इस कारण बड़ा स्कोर भी टीम के काम नहीं आ सका।

आखिरी ओवर में 11 रन बचाकर जीता राजस्थान

गुजरात को हराया, रवि बिश्नोई को 4 विकेट; जुरेल-यशस्वी ने फिफ्टी लगाई

अहमदाबाद। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स ने आखिरी ओवर में 11 रन डिफेंड कर गुजरात टाइटंस को हरा दिया। 4 ओवर में 39 रन बना चुके राशिद खान और कगिसो रबाडा के खिलाफ तुषार देशपांडे ने 4 रन ही खर्च किए।

अहमदाबाद में टॉस जीतकर बैटिंग करने उतरी ऋक्क ने 6 विकेट खोकर 210 रन बनाए। जीटी ने फाइट दिखाई, लेकिन टीम 8 विकेट खोकर 204 रन ही बना सकी।

राजस्थान के लिए ध्रुव जुरेल ने 75 और यशस्वी जायसवाल ने 55 रन बनाए। इम्पैक्ट प्लेयर रवि बिश्नोई ने 4 विकेट लिए। नांद्रे बर्गर और रियान पराग को 1-1 विकेट मिला। गुजरात से साई सुदर्शन ने 73 रन बनाए, लेकिन उन्हें बाकी बैटर्स का साथ नहीं मिला। कगिसो रबाडा ने 2 विकेट लिए।

211 रन के टारगेट के सामने गुजरात ने 10 ओवर के बाद 101 रन पर 1 ही विकेट गंवाया था। 11वें ओवर में साई सुदर्शन 73 रन बनाकर आउट हो गए। 15 ओवर तक टीम ने 161 रन पर 7 विकेट गंवा दिए। इम्पैक्ट प्लेयर रवि बिश्नोई ने 4 विकेट लिए। यहां से राशिद खान और कगिसो रबाडा ने 4 ओवर में 39 रन बना दिए। आखिरी ओवर में 11 रन चाहिए थे, लेकिन तुषार देशपांडे ने 4 ही रन खर्च किए।

पहले मैच में दिल्ली कैपिटल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया। ..

तुषार देशपांडे ने 11 रन डिफेंड किए

गुजरात को आखिरी 6 गेंदों पर 11 रन चाहिए थे। तुषार देशपांडे ने पहली ही गेंद वाइड फेंक दी। अगली 3 गेंदों पर 3 सिंगल आए। चौथी गेंद डॉट रही। 2 गेंद पर 7 रन चाहिए थे, यहां राशिद खान कैच आउट हो गए। तुषार ने आखिरी गेंद पर कोई रन नहीं दिया और टीम को 6 रन से करीबी जीत दिला दी।

राजस्थान ने गुजरात को दिया 211 का लक्ष्य

राजस्थान ने गुजरात को 211 रनों का लक्ष्य दिया है। उनके लिए यशस्वी जायसवाल ने 55 और ध्रुव जुरेल ने 75 रनों की दमदार पारियां खेलीं। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान ने 20 ओवर में छह विकेट पर 210 रन बनाए। वहीं, गुजरात के लिए रबाडा ने दो विकेट लिए जबकि सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा और राशिद खान ने एक-एक सफलता अपने नाम की।

इस माह 24 अप्रैल से शुरु होगा थॉमस और उबर कप

लक्ष्य और सिंधु पुरुष और महिला टीम की कमान संभालेंगे

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन स्टार लक्ष्य सेन इस माह होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में पुरुष टीम की कमान संभालेंगे। वहीं ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और उभरती खिलाड़ी उन्नति हुड्डा उबर कप में महिला टीम का प्रतिनिधित्व करेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ ने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाले थॉमस और उबर कप के लिए लक्ष्य के अलावा , किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बरकरार रखा है। वहीं युवा आयुष शेट्टी को को भी पहली बार टीम में जगह दी है। पुरुष टीम में एमआर अर्जुन ध्रुव कपिला और किरण जॉर्ज को भी जगह मिली है।

वहीं उबर कप में सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली भारती की ओर से पदक की प्रबल दावेदार रहेंगी। भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी पर इस बार उसका लक्ष्य और बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में रहेंगी। भारतीय बैडमिंटन संघ के अनुसार खिलाड़ियों का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं।

आईपीएल में विदेशी खिलाड़ी कहे जाने पर विराट कोहली ने तोड़ी चुप्पी

लंदन। लंदन में रहने को लेकर कही यह बात विराट कोहली ने ओवरसीज खिलाड़ी कहे जाने पर मजाकिया अंदाज में जवाब देकर आलोचकों को शांत कर दिया। साथ ही उन्होंने यह भी दिखाया कि उनका फोकस सिर्फ खेल और प्रदर्शन पर है, और मेहनत ही उनके लिए असली जीत की कुंजी है। विराट कोहली एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनका खेल नहीं बल्कि लंदन में समय बिताना है। हाल ही में सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उन्हें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले ओवरसीज यानी विदेशी खिलाड़ी तक कह दिया। इस पर कोहली ने मजेदार अंदाज में जवाब दिया है और आलोचकों को करारा जवाब दिया है।

बल्लेबाजी कोच के तौर पर कर चुके हैं काम

यूनिस खान को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रहा पीसीबी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान यूनिस खान को बड़ी जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रहा है। बताया जा रहा है कि यूनिस खान को घरेलू क्रिकेट का निदेशक बनाने पर चर्चा चल रही है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) पूर्व कप्तान और देश के सबसे ज्यादा टेस्ट रन बनाने वाले खिलाड़ी यूनिस खान को घरेलू क्रिकेट विभाग का प्रमुख बनाने पर विचार कर रहा है। इस घटनाक्रम से परिचित एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी यूनिस को घरेलू क्रिकेट निदेशक के अहम पद पर नियुक्त करने के इच्छुक हैं।

सूत्र ने कहा, खुर्रम नियाजी फिलहाल घरेलू विभाग के प्रमुख हैं लेकिन उनका तबादला इस्लामाबाद कर दिया गया है और वह जल्द ही अपने नए कार्यभार को संभालेंगे। यही वजह है कि बोर्ड यूनिस को घरेलू क्रिकेट के निदेशक का पद पर नियुक्त करने का इच्छुक है। नकवी चाहते हैं कि घरेलू क्रिकेट से जुड़े मामलों का प्रबंधन कोई अनुभवी क्रिकेटर करे क्योंकि पाकिस्तान क्रिकेट में यह विषय हमेशा से ही चर्चा का केंद्र रहा है।

पाकिस्तान के लिए 10000+ रन बनाने वाले एकमात्र खिलाड़ी

उन्होंने कहा कि पीसीबी यूनिस की नियुक्ति की घोषणा तभी करेगा जब वह बोर्ड के साथ अनुबंध पर हस्ताक्षर कर लेंगे। फिलहाल बातचीत चल रही है। 48 साल के यूनिस ने 118 टेस्ट और 265 वनडे मैच खेले हैं। वह एकमात्र ऐसे पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं जिन्होंने 10,000 से अधिक टेस्ट रन बनाए हैं। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के बल्लेबाजी कोच के तौर पर भी काम किया है। लेकिन बोर्ड के कुछ अधिकारियों के साथ मतभेद होने के बाद उन्होंने यह पद छोड़ दिया था।

रियाद में सॉकर फ़ुटबॉल सऊदी प्रो लीग के दौरान अल नासर बनाम अल नजमा मैच में अल नासर के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पेनल्टी स्पॉट से अपना तीसरा गोल किया।

भाजपा का प्रशिक्षण महाअभियान पूरा, 'राष्ट्र प्रथम' के मंत्र के साथ कार्यकर्ताओं में भरा जोश

दो दिन चला मंडल प्रशिक्षण वर्ग, प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन बोले—संगठन की ताकत कार्यकर्ता

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार। पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान 2026 के तहत भाजपा का दो दिवसीय मंडल प्रशिक्षण वर्ग अटल सदन में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का फोकस संगठन को मजबूत करना और कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय बनाना रहा। समापन सत्र में प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन ने 'भारत माता की जय' के उद्घोष के साथ कार्यकर्ताओं से राष्ट्र साधना में जुटने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की असली ताकत उसकी एकता है और कार्यकर्ताओं की सक्रियता ही पार्टी को आगे बढ़ाती है। बीजापुर में उनके पहले आगमन पर पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, जिलाध्यक्ष घासीराम नाग समेत कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन का भी जोरदार स्वागत हुआ। प्रशिक्षण के दौरान टिकेश्वर जैन ने कार्यपद्धति में बदलाव और तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए कहा कि समय के साथ नवाचार जरूरी है। प्रभावी संवाद और संगठनात्मक कौशल बढ़ाकर ही विचारधारा को लोगों तक बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सकता है। पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने 'एकात्म मानव दर्शन' को संगठन की आधारशिला बताते हुए कहा कि विचार और संगठन साथ चलें, तभी मजबूती आती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आधुनिक तरीकों को अपनाने और जमीनी स्तर पर सक्रिय रहने की अपील की। जिलाध्यक्ष घासीराम नाग की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रशिक्षण में विभिन्न सत्रों के जरिए संगठन विस्तार और बूथ स्तर तक पहुंच बढ़ाने पर चर्चा हुई। जिला संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा ने बूथ मैनेजमेंट की कार्ययोजना रखी, जिससे कार्यकर्ताओं में उत्साह दिखा। पूर्व जिलाध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार ने 'राष्ट्र प्रथम' को हर कार्यकर्ता का मूल मंत्र बताया। मंडल अध्यक्ष अशोक राव की अहम भूमिका में आयोजित इस प्रशिक्षण में जिला पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के बाद कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और सक्रियता देखने को मिली।

वाहन चेकिंग में सरिया पुलिस को बड़ी सफलता : कार से देशी पिस्टल, 18 जिंदा राउंड बरामद, दो युवक गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

थाना सरिया पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कार से अवैध हथियार बरामद कर दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन और 18 जिंदा राउंड जब्त किए गए हैं।

बैरियर पर चेकिंग के दौरान पकड़े गए आरोपी–4 अप्रैल 2026 को कंचनपुर बैरियर में वाहन चेकिंग के दौरान रायगढ़ की ओर से आ रही सफेद रंग की हुंडई आई-10 कार (P 65 DA 5833) को रोका गया। तलाशी लेने पर कार से एक देशी पिस्टल, दो मैगजीन और 18 जिंदा कारतूस बरामद हुए। मौके पर ही दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया गया।

प्रयागराज से ब्लैक में खरीदा था हथियार–पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने हथियार प्रयागराज से अवैध रूप से खरीदा था और घूमने के लिए जगन्नाथ पुरी जा रहे थे। हथियार से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की।

आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज, दोनों आरोपी जेल भेजे गए–पुलिस ने देशी पिस्टल, मैगजीन, जिंदा राउंड और कार को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत मामला दर्ज किया। दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव के नेतृत्व में आर.भोजराम नट, मोहन गुप्ता, विजय यादव, आरक्षक- दिगंबर पटेल, श्रवण टंडन, विमल जांगड़े, नरेंद्र चंद्रा, दिलीप स्नेही, लक्ष्मी पटेल, साइबर सेल से रामकुमार मानिकपुरी एवं समस्त थाना स्टाफकी प्रमुख भूमिका रही।

गिरफ्तार आरोपी-1. कविराज चौहान - करंजी, जिला गाजीपुर (उ.प्र.) 2. अजय यादव - पोगहट चक, जिला प्रयागराज (उ.प्र.)

अवैध महुआ शराब पर सरिया पुलिस की कार्रवाई: 15 लीटर शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

थाना सरिया पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 15 लीटर कच्ची महुआ शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से शराब के साथ नगदी रकम भी जब्त की है।

मुखबिर की सूचना पर की गई रेड कार्रवाई

4 अप्रैल 2026 को पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम डूमरसिंहा में एक व्यक्ति बिक्री के लिए अवैध शराब छिपाकर रखा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी के घर के पीछे छापा मारा।रेड के दौरान एक सफेद प्लास्टिक डिब्बे में 15 लीटर कच्ची महुआ शराब बरामद की गई, जिसकी कीमत लगभग 3000 रुपये बताई गई है। वहीं आरोपी के पास से बिक्री की 610 रुपये नगद रकम भी जब्त की गई।

आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट की धारा 34(2), 59(क) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।इस कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रमोद यादव, सउनि सुमन चौहान, आरक्षक-नरेंद्र चंद्रा, श्रवण टंडन सहित पुलिस स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।गिरफ्तार आरोपी : पीला बाबू यादव ङ्क ग्राम डूमरसिंहा, थाना सरिया, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़।

मरीन ड्राइव पर गूंजी आत्मानंद शिक्षकों की आवाज, साथियों को दी श्रद्धांजलि; मांगे पूरी न होने पर 'कलम बंद' हड़ताल की चेतावनी

मोदी की गारंटी में खुद को ठगा महसूस कर रहे आत्मानंद शिक्षक;

कांकेर/मूक पत्रिका

विक्रम ठाकुर :-कांकेर स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय के संविदा शिक्षकों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। अपनी मांगों को लेकर लंबे समय से संघर्ष कर रहे इन शिक्षकों ने आज कांकेर के मरीन ड्राइव में एक विशाल कैंडल मार्च निकाला। यह मार्च न केवल प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करने के लिए था, बल्कि उन दिवंगत साथियों को याद करने के लिए भी था जिन्होंने सेवा के दौरान अपनी जान गंवा दी।

भावपूर्ण श्रद्धांजलि: नम आंखों से याद किए गए साथी– इस दौरान 'छ.ग. सेजेस टीचर्स एंड एम्प्लॉईज वेलफेयर एसोसिएशन' के बैनर तले शिक्षकों ने स्व. आशुतोष देवांगन सर, स्व. कौशल सर और स्व. आयुषी धावरे मैम को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष विकास तिवारी ने कहा कि ये साथी हमारे परिवार का हिस्सा थे। शिक्षकों ने कैंडल जलाकर दो मिनट का मौन धारण किया और शासन-प्रशासन से उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति दिखाने की मांग की।÷मोदी की गारंटी÷ और अधूरे वादे: शिक्षकों का कहना है कि प्रदेश में सत्ता परिवर्तन के दौरान उन्हें ÷मोदी की गारंटी÷ के तहत भविष्य की सुरक्षा का भरोसा दिया गया था। विधानसभा सत्र में बृजमोहन अग्रवाल द्वारा घोषणा के बावजूद आज तक आत्मानंद शिक्षकों को शिक्षा विभाग में मर्ज नहीं किया गया है।

शिक्षकों की मुख्य व्यथा:समान कार्य-समान वेतन का अभाव: पिछले 5-6 वर्षों से संविदा शिक्षक एक ही मानदेय पर कार्य करने को मजबूर हैं। सुरक्षा और बीमा का शून्य प्रावधान: सड़क दुर्घटनाओं या अन्य हादसों में जान गंवाने वाले शिक्षकों के लिए किसी भी प्रकार के बीमा या ईपीएफ (श्वक्कस्न) की सुविधा नहीं है।

नियमितीकरण की मांग: कई शिक्षकों की उम्र की सीमा खत्म हो रही है, ऐसे में सरकार से अविलंब नियमितीकरण की मांग की गई है।

कलम बंद हड़ताल की चेतावनी: शिक्षकों ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि सरकार जल्द ही उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं करती है, तो वे 'कलम बंद हड़ताल' और उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। शिक्षकों का तर्क है कि जहां आत्मानंद स्कूलों के बच्चे प्रदेश की टॉप-10 सूची में जगह बना रहे हैं और 100त्न परिणाम दे रहे हैं, वहीं उन बच्चों का भविष्य गढ़ने वाले शिक्षक खुद असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

आज के इस कार्यक्रम में एसोसिएशन के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में संविदा शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे, जिन्होंने एक स्वर में अपनी मांगों को बुलंद किया।

बिलाईगढ़ - पत्नी के तानों से नाराज पति ने गमछे से घोंटा गला

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

बिलाईगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम खजरी में एक बेहद सनसनीखेज और खौफनाक घटना हुई, जहां एक पति ने अपनी ही पत्नी की बेरहमी से गला घोंटकर हत्या कर दी है । प्राप्त जानकारी के अनुसार, आरोपी पति राजेश साहू और उसकी पत्नी कुंती साहू के बीच विवाद हुआ था। बताया जा रहा है कि आरोपी शराब पीने का आदी था और कोई काम नहीं करता था। पत्नी कुंती द्वारा इसी बात को लेकर ताने मारने पर विवाद इतना बढ़ गया कि राजेश ने अपना आपा खो दिया। उसने गुस्से में आकर गमछे से अपनी पत्नी का गला घोंट दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। बिलाईगढ़ एसडीओपी विजय ठाकुर और फॉरेंसिक की टीम ने तत्काल घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति राजेश साहू को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस इस पूरे मामले की हर पहलू से बारीकी से जांच कर रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पवनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण कर अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

जिला कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने पवनी स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (क्कॢष्ट) का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत का सूक्ष्मता से विश्लेषण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल प्रशासनिक व्यवस्थाओं को परखा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और संवेदनशीलता पर भी कड़ा रुख अपनाया। कलेक्टर ने अस्पताल परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले ओपीडी (OPD) का रुख किया, जहाँ उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर की जाँच की और यह सुनिश्चित किया कि सभी डॉक्टर और पैरामेडिकल स्टाफ अपनी ड्यूटी पर तैनात थे उन्होंने लैब में जाकर परीक्षण किट्स की उपलब्धता और मशीनों की कार्यक्षमता को देखा। उन्होंने निर्देश दिए कि सामान्य रक्त परीक्षणों के लिए मरीजों को जिला अस्पताल या निजी केंद्रों पर न भटकना पड़े।स्टोर रूम के निरीक्षण के दौरान उन्होंने 'स्टॉक रजिस्टर' का मिलान भौतिक स्टॉक से किया। उन्होंने एक्सपायरी दवाओं के निस्तारण और जीवन रक्षक दवाओं (Life-saving drugs) की 24×7 उपलब्धता बनाए रखने की सख्त हिदायत दी। मातृत्व सेवाओं की समीक्षा करते हुए उन्होंने प्रसव कक्ष में स्वच्छता और आवश्यक उपकरणों की स्थिति देखी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रसूताओं को शासन द्वारा निर्धारित सभी लाभ और पौष्टिक आहार समय पर मिलना चाहिए। कलेक्टर ने साफ-सफाई, दवाइयों की उपलब्धता और स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करने पर जोर दिया।

भाई ने भाई की ली जान: कनकबीरा क्षेत्र में घरेलू विवाद बना खूनी वारदात, लोहे को रॉड से किया हमला..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

चौकी कनकबीरा क्षेत्र के ग्राम रोहिनापाली में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है, जहां बड़े भाई ने छोटे भाई की सरिया मोड़ने वाली रॉड से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

खाना बनाने की बात पर शुरू हुआ विवाद–घटना 3 अप्रैल की रात करीब 11 बजे की है, जब आरोपी भरत लाल सिदार का अपनी पत्नी से खाना बनाने की बात को लेकर विवाद हो रहा था। इस दौरान छोटे भाई नेतराम सिदार बीच-बचाव करने पहुंचे और बड़े भाई को समझाने की कोशिश की।

रॉड से ताबड़तोड़ हमला, मौके पर मौत–विवाद बढ़ने पर आरोपी भरत लाल सिदार ने गुस्से में आकर घर में रखी सरिया मोड़ने वाली रॉड उठाई और छोटे भाई के सिर पर दो-तीन वार कर दिए। गंभीर चोट लगने से नेतराम सिदार मौके पर ही गिर पड़े और उनकी मौत हो गई।

ग्रामीणों की मदद से आरोपी गिरफ्तार–घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से आरोपी को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त रॉड और खून लगे कपड़े जब्त किए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर विधिवत गिरफ्तार किया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया। इस कार्रवाई में चौकी प्रभारी टीकाराम खटकर, प्रधान आरक्षक हीराधार नाग, आरक्षक बिहारी साहू, जीतराम यादव, कुंज बिहारी निराला एवं समस्त चौकी स्टाफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

युवा कांग्रेस और एनएसयूआई करेगी जनसुनवाई का विरोध

शासन प्रशासन भी उद्योगपतियों के साथ कम्बल ओढ़कर घी पी रहे हैं - शुभम बाजपेयी युकां जिलाध्यक्ष

अधिकारों की लड़ाई में निमंत्रण नहीं भेजे जाते, जिनका जमीर जिंदा होता है वे खुद ब खुद चले आते हैं - नितिन पाणिग्राही (युवा कांग्रेस)

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

सारंगढ़ जिले के ग्राम पंचायत बोन्दा से लेकर सल्हेओना तक क्रेशरों व वैध अवैध डोलोमाइट खदानों का जाल फैला हुआ है । क्रेशर मालिक अवैध रूप से शासन को राजस्व का करोड़ो रूपये चूना लगाते हुए प्रशासन के साथ सांठ गांठ करके मनमाने ढंग से डोलोमाइट का खनन कर रहे हैं। प्रशासन और क्रशर मालिक जहाँ मलाई खा रहे हैं वहीं जनता धूल और प्रदूषण झेल रही है ।ऐसे में पुनः 4-5 क्रशरों द्वारा 35 एकड़ भूमि का खदान का विस्तार किये जाने व उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से शासन द्वारा गैर कानूनी रूप से ग्राम पंचायत बोन्दा मंडी प्रांगण में जनसुनवाई का आयोजन किया गया है जिससे युवाओं और ग्रामीणों में आक्रोश देखने को मिल रहा है । अब ग्रामीणों के स्वास्थ्य, आजीविका व बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए युवा कांग्रेस व भा.रा.छा.सं इस जनसुनवाई का पुरजोर विरोध करने जा रही है । जिसमें ग्रामीण भी युवा कांग्रेस के साथ हैं । युवा कांग्रेस सारंगढ़ जिलाध्यक्ष शुभम बाजपेयी ने कहा ये लड़ाई सिर्फ खदान बन्द करने की नहीं बल्कि ये आम जनता के हक की, जल जंगल जमीन की, बच्चों के भविष्य की लड़ाई है। एन एस यू आई जिलाध्यक्ष ने बताया कि आयोजित जनसुनवाई में से एक खदान ऐसे क्रेशर का है जो एक शास. विद्यालय , एक निजी विद्यालय, शास. कन्या व बालक छात्रावासों से 200 मीटर दूर स्थापित है । ऐसे में खदानों के विस्तार से व डोलोमाइट ले परिवहन से छात्र छात्राओं को सड़क दुर्घटना और स्वास्थ्यगत समस्याओं का सामना करना पड़ेगा और एन एस यू आई छात्र छात्राओं के भविष्य से किसी भी कीमत पर खिलवाड़ होने नही देगी। चाहे शासन प्रशासन जो भी हथकंडे अपना ले हम विरोध के लिए तैयार हैं । स्थानीय युवा कांग्रेस नेता नितिन पाणिग्राही ने कहा कि क्रेशर मालिक आस पास के पंचायतों को धनबल पर अपने पक्ष में कर चुके हैं, पर यहाँ सरकार और मालिक जनता है और युवा कांग्रेस पूरे वैध दस्तावेजों के साथ जनसुनवाई के विरोध में शामिल होंगे ।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।